WWW.Kanchanujala.in

हिन्दी दैनिक

kanchanujala14@gmail.com

कंचन उजाला

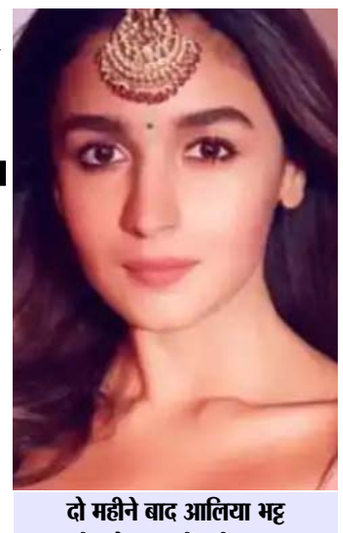

दो महीने बाद आलिया भट्ट ने खोला कॉमेंट सेक्शन

लखनऊ से प्रकाशित

सच्चाई के साथ

वर्षः 01 अंक : 238 | लखनऊ, मंगलवार, 18 अगस्त, 2020 | पृष्ठ- 6 | मूल्य - 1 रुपये

देश में 19.19 लाख मरीज हुए कोरोना मुक्त

सक्रिय मामलों में कमी

नयी दिल्ली, एजेंसी। वैश्विक महामारी कोरोना के देश में निरंतर बढ़ते मामलों के बीच स्वस्थ होने वाले मरीजों की संख्या में भी इजाफा हो रहा है तथा अब तक 19.19 लाख लोग इस बीमारी से मुक्ति पा चुके हैं और सक्रिय मामलों में कमी आयी है। केन्द्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों के मुताबिक एक दिन में संक्रमण के 58,525 मामले आने से संक्रमितों की संख्या 26,47,663 हो गयी है। राहत की बात यह है कि इसी अवधि में 57,584 लोगों के स्वस्थ होने से कोरोना मुक्त होने वालों की संख्या भी 19,19,842 हो गयी है।

इसी दौरान 941 लोगों की मौत से मृतकों का आंकड़ा 50,921 पर पहुंच गया। इस बीच देश में सक्रिय मामलों की संख्या 544 कम होकर 6,76,900 हो गयी है। कोरोना से सर्वाधिक प्रभावित महाराष्ट्र में सक्रिय मामलों की संख्या 1986 बढ़कर 1,58,705 हो गयी तथा 288 लोगों की मौत होने से मृतकों का आंकड़ा 20,037 हो गया। इस दौरान 8837 लोग संक्रमणमुक्त हुए जिससे स्वस्थ हुए लोगों की संख्या बढ़कर 4,17,123 हो गयी। देश में सर्वाधिक सक्रिय मामले इसी राज्य में हैं। आंध्र प्रदेश में मरीजों की संख्या 2193 कम होने से सक्रिय मामले 85,945 रह गये हैं। राज्य में अब तक 2650 लोगों की मौत हुई है, वहीं 10,117 लोगों के स्वस्थ होने से कुल 2,01,234 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं। दक्षिणी राज्य कर्नाटक में पिछले 24 घंटों के दौरान मरीजों की संख्या 244 बढ़ी है और यहां अब 81528 सक्रिय मामले हैं। मरने वालों का आंकड़ा 116 बढ़कर 3947 पर पहुंच गया है। राज्य में अब तक 1,41,491 लोग स्वस्थ हुए हैं। तमिलनाडु में सक्रिय मामलों की संख्या 194 कम होकर 54019 हो गये हैं तथा 5766 लोगों की मौत हुई है। वहीं राज्य में अब तक 2,78,270 लोग संक्रमणमुक्त हुए हैं।

आबादी के हिसाब से देश के सबसे बड़े राज्य उत्तर प्रदेश में पिछले 24 घंटों के दौरान 100 मरीजों की संख्या बढ़ी है जिससे सक्रिय मामले 51537 हो गये हैं तथा इस महामारी से 2449 लोगों की मौत हुई है जबकि 1,00,432 मरीज ठीक हुए हैं। सक्रिय मामलों में इसके बाद बिहार का स्थान है, जहां यह संख्या 31059 हो गयी है। राज्य में 461 लोगों की मौत हुई है जबकि 72,324 लोग संक्रमणमुक्त भी हुए हैं। देश के पूर्वी राज्य पश्चिम बंगाल में कोरोना वायरस के 27299 सक्रिय मामले हैं तथा 2428 लोगों की मौत हुई है, वहीं अब तक 86,771 लोग स्वस्थ हुए हैं। तेलंगाना में कोरोना के 21420 सक्रिय मामले हैं और 703 लोगों की मौत हो चुकी है जबकि 70,132 लोग इस महामारी से ठीक हुए है। गुजरात में सक्रिय मामले 14383 हैं तथा 2,785 लोगों की मौत हुई है। राज्य में 61,512 लोग इस बीमारी से स्वस्थ भी हुए हैं। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में पिछले 24 घंटों में सक्रिय मामले की तादाद में 666 की कमी आने के बाद यह संख्या 10,823 हो गये हैं।

वहीं संक्रमण के कारण मरने वालों की संख्या 4196 हो गयी है तथा अब तक 137561 मरीज रोगमुक्त हुए हैं। कोरोना महामारी से अब तक मध्य प्रदेश में 1105, राजस्थान में 862, पंजाब में 812, हरियाणा में 538, जम्मू-कश्मीर में 542, ओडिशा में 343, झारखंड में 244, असम में 189, उत्तराखंड में 152, केरल में 156, छत्तीसगढ़ में 141, पुडुचेरी में 110, गोवा में 104, त्रिपुरा में 59, चंडीगढ़ में 29, अंडमान निकोबार द्वीप समूह में 28, हिमाचल प्रदेश में 19, मणिपुर में 16, लद्दाख में 14, नागालैंड में आठ, मेघालय में छह, अरुणाचल प्रदेश में पांच, दादर-नागर हवेली एवं दमन-दीव में दो तथा सिक्किम में एक व्यक्ति की मौत हुई है।

यूपी के मानसून सत्र से पहले विस के 20 कर्मी कोरोना पॉजिटिव

मची खलबली

लखनऊ, एजेंसी। कोरोना वायरस के संक्रमण काल में भी तमाम रिकॉर्ड बनाने वाली उत्तर प्रदेश सरकार ने 20 अगस्त से विधानमंडल का मानसून सत्र आयोजित किया गया। इसके लिए सत्र के दौरान फिजिकल डिस्टेंसिंग के साथ कोविड प्रोटोकॉल के सभी नियमों को आवश्यक किया गया है। चार दिवसीय विधानमंडल सत्र से तीन दिन पहले की जांच में विधानसभा के 20 कर्मचारियों की जांच रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव है। रैपिड एन्टीजन टेस्ट में 20 कर्मचारी निकले कोरोना पॉजिटिव हैं। अब इनके सैंपल का कोविड-19 टेस्ट होगा। सोमवार को दो घंटे की जांच में 20 कर्मचारी की रिपोर्ट पॉजिटिव है। विधानमंडल के इस विशेष सत्र में विधानसभा तथा विधान परिषद की कार्यवाही होगी। इस सत्र के शुरू होने से पहले ही सभी विधायक और यहां के सभी कर्मचारियों का कोरोना टेस्ट होगा। सरकार ने इस सत्र के दौरान विधानभवन की कैंटीन बंद रखने का निर्णय लिया है। विधानमंडल का चार

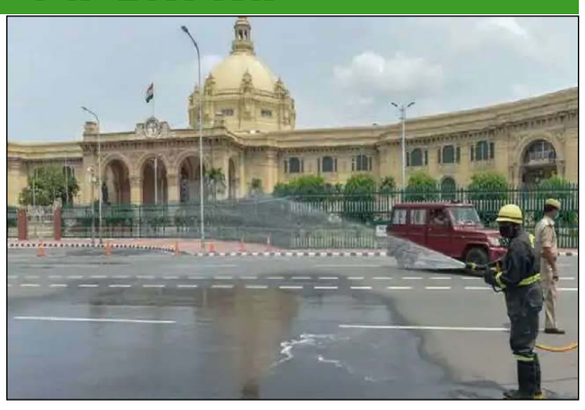

दिवसीय मानसून 20 अगस्त से शुरू होना है। इस सत्र को विशेष माना जा रहा है। सत्र की तैयारियों को लेकर विधानसभा अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने दलीय नेताओं के साथ बैठक की थी। इस बैठक में कोरोना प्रोटोकॉल के साथ सत्र चलाने पर सहमति बनी थी। सत्र के दौरान विधानभवन की कैंटीन बंद रखने का निर्णय लिया गया। सत्र के दौरान विधानसभा परिसर में कम से कम लोग आएं इसके लिए पूर्व विधायक, सांसद के विधानसभा का स्थायी पास भी स्थगित किया गया। वहीं विधानसभा सदस्यों के बैठने का क्रम भी बदल दिया गया। दर्शक दीर्घा में दर्शकों के बजाए विधान सभा के सदस्यों के बैठने की व्यवस्था की गई है। सत्र के दौरान परिसर में प्रवेश करने वाले प्रत्येक व्यक्ति पर नजर रखी जायेगी।

बारामूला में सुरक्षा बलों ने तीन आतंकवादियों को किया ढेर

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू कश्मीर के बारामूला में सोमवार तड़के केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) नाका पर हमले के जिम्मेदार तीन आतंकवादियों को सुरक्षा बलों ने अपराह्न मुठभेड़ में ढेर कर दिया। आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि बारामूला जिले के करीरी इलाके में सीआरपीएफ नाका पार्टी पर आतंकवादियों ने हमला किया। इस हमले में सीआरपीएफ के दो जवान और जम्मू कश्मीर पुलिस के एक विशेष पुलिस अधिकारी (एसपीओ) शहीद हो गए हैं। सुरक्षा बलों ने इसके बाद इलाके को चारों ओर से घेर लिया और सघन घेराबंदी और तलाश अभियान शुरू किया। उन्होंने बताया कि पास के बगीचों में आतंकवादी छिपे हुए दिखाई दिए। जब सुरक्षा बल छिपे हुए आतंकवादियों की ओर बढ़ रहे थे तभी आतंकवादियों ने स्वचालित हथियारों से गोलीबारी शुरू कर दी। सुरक्षाबलों ने भी जवाबी कार्रवाई की जिसमें तीनों आतंकवादी मारे गए। उन्होंने बताया कि मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार और गोलाबारूद बरामद किए गए हैं। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक विजय कुमार ने इससे पहले संवाददाताओं को बताया कि इस हमले के लिए आतंकवादी संगठन लश्कर-ए-तैयबा जिम्मेदार है।

भूषण दोषसिद्धि के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर करेंगे

नयी दिल्ली, एजेंसी। अदालत की अवमानना मामले में दोषी ठहराये गये जाने-माने वकील प्रशांत भूषण पुनर्विचार याचिका दायर करेंगे। श्री भूषण के खिलाफ 2009 के एक अन्य अवमानना मामले में सोमवार को सुनवाई के दौरान उनकी पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राजीव धवन ने यह संकेत दिये। श्री धवन ने न्यायमूर्ति अरुण मिश्रा की अध्यक्षता वाली खंडपीठ के समक्ष कहा कि उनके मुवक्किल 14 अगस्त की दोषसिद्धि के मामले में पुनर्विचार याचिका दायर करेंगे। इस बीच तहलका पत्रिका के संस्थापक सम्पादक तरुण तेजपाल के साक्षात्कार मामले में अवमानना का सामना कर रहे श्री भूषण के पिता एवं पूर्व कानून मंत्री शांति भूषण ने मामले की सुनवाई अदालत कक्ष में पारम्परिक सुनवाई शुरू होने के बाद करने की वकालत की।

कृषि क्षेत्र में अनुसंधान करें आईआईटी: वेंकैया नायडू

नयी दिल्ली, एजेंसी। उप राष्ट्रपति एम. वेंकैया नायडू ने देश के भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थानों - आईआईटी से कृषि क्षेत्र में अनुसंधान करने का आह्वान करते हुए सोमवार को कहा कि सस्ती और उपयोगी प्रौद्योगिकी के माध्यम से ग्रामीण विकास का स्थायी समाधान निकाला जाना चाहिए। श्री नायडू ने यहां दिल्ली आईआईटी की हीरक जयंती समारोहों के समापन कार्यक्रम को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए संबोधित करते हुए कहा कि हमारी पचास प्रतिशत से अधिक आबादी आज भी कृषि पर निर्भर है। आईआईटी के लिए आवश्यक है कि वे सस्ती और उपयोगी प्रौद्योगिकी टेक्नोलॉजी के माध्यम से ग्रामीण विकास के स्थायी समाधान निकालने पर अनुसंधान करें। उन्होंने कहा कि केन्द्रीय शिक्षा मंत्रालय के 'उन्नत भारत अभियान' का आईआईटी दिल्ली राष्ट्रीय संयोजक है। इस अभियान के तहत शामिल 2000 भागीदार संस्थानों ने 10 हजार गांवों को विकसित करने का दायित्व लिया है। उन्होंने आईआईटी सहित देश के उच्च शिक्षा संस्थानों आग्रह किया कि वे समाज के लिए आवश्यक और उपयोगी अनुसंधान करें तथा पर्यावरण से लेकर स्वास्थ्य सम्बन्धी, सभी चुनौतियों का कारगर समाधान खोजने में सहयोग करें।

चीन ने तिब्बत से लेकर कालापानी तक भारत से सटी सीमाओं पर तैनात की और तोपें

नई दिल्ली, एजेंसी। आइएएनएस। दुनिया को अपनी विस्तारवादी नीतियों से सांसत में डालने वाले चीन ने भारत से सटी सीमाओं पर तिब्बत से लेकर कालापानी घाटी के ऊपर तक बड़ी संख्या में तोंपों और सैनिकों की तैनाती कर दी है। समाचार एजेंसी आइएएनएस ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि इन तोपों की तैनाती तिब्बत की 4,600 मीटर की ऊंचाई पर जुलाई के अंतिम हफ्ते में की गई। इतना ही नहीं, चीन ने तिब्बत के सैन्य जिले में 77 कॉम्बैट कमांड के 150 लाइट कंबाइन्ड आर्म्स ब्रिगेड की तैनाती भी कर दी है। इस कदम से दुनिया के सामने शांति का राग अलापने वाले चीन की मंशा पर शंका हो रही है। चीन ने कंबाइन्ड आर्म्स ब्रिगेड का गठन अमेरिका की नकल करके की है। यह अमेरिकन ब्रिगेड कॉम्बैट टीम का एडेप्टेशन है।

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की तबीयत खराब

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की तबीयत बिगड़ गई है। अशोक गहलोत को बुखार की शिकायत बताई जा रही है। चिकित्सकों ने स्वास्थ्य जांच के बाद सीएम गहलोत को आराम करने की सलाह दी है। चिकित्सक सीएम के स्वास्थ्य पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। कोरोना जांच के लिए गहलोत का सैंपल भी लिया गया है। वहीं, राज्य सरकार के मुख्य सचेतक डॉ. महेश जोशी की तबीयत भी खराब बताई जा रही है। तेज बुखार के कारण चिकित्सकों ने डॉ. जोशी को भी आराम करने की सलाह दी है। इधर, भाजपा विधायक पब्बाराम विश्नोई कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं। विश्नोई ने कोरोना के शुरुआती लक्षण दिखाई देने के बाद रविवार को अपनी जांच करवाई थी। पब्बाराम ने हाल ही में शुक्रवार को विधानसभा में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे, नेता प्रतिपक्ष गुलाबचंद कटारिया और उपनेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ से मुलाकात की थी।

फेसबुक कर रहा है हमारे लोकतंत्र को कमजोरः कांग्रेस

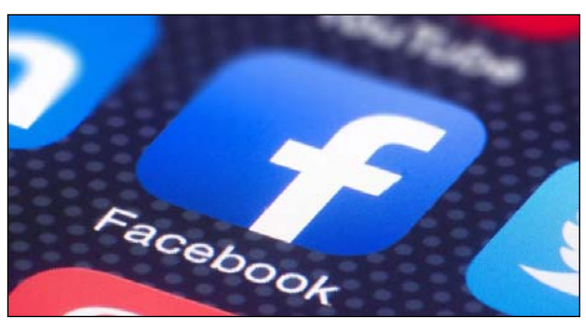

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने कहा है कि फेसबुक तथा ह्वटसएप के माध्यम से देश में नफरत एवं घृणा फैला कर लोकतंत्र को कमजोर किया जा रहा है और इस मामले की सच्चाई सामने लाने के लिए संयुक्त संसदीय समिति का गठन किया जाना चाहिए। कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने सोमवार को यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यदि कोई सोशल मीडिया प्लेटफार्म हमारे लोकतंत्र को कमजोर करेगा तो इस संबंध में जरूर सवाल पूछे जाएंगे और सरकार को इन सवालों का जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया के माध्यम से हमारे यहां नफरत फैलाने तथा समाज में दरार पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है और देश को इस तरह बांटने तथा गैरजिम्मेदाराना तरीके से काम करने की अनुमति किसी को नहीं दी जा सकती। उन्होंने कहा कि फेसबुक के इस कारनामे को अमेरिकी अखबार ने उठाया है लेकिन आश्चर्य की बात यह है कि भारतीय जनता पार्टी के नेता तथा केंद्रीय मंत्री इस मुद्दे पर कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व पर हमला कर रहे है। भाजपा सरकार को गलत खबर फैलाने के आरोप में ह्वटसएप के खिलाफ कार्रवाई करनी चाहिए थी लेकिन ऐसा करने की बजाय वह कांग्रेस नेताओं पर हमला कर रही है। प्रवक्ता ने कहा कि बहुत साजिश के तहत देश के लोकतंत्र पर हमला किया जा रहा है। ऐसा महसूस होता है कि बहुत सुनियोजित तरीके से देश की छवि को धूमिल करने का प्रयास किया जा रहा है इसलिए इस मामले की सच्चाई जेपीसी के गठन से सामने लायी जानी चाहिए।

दिल्ली-एनसीआर में झमाझम बारिश, कई इलाकों में लगा जाम

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली में सोमवार दोपहर बाद हुई झमाझम बारिश से लोगों को उमस भरी गर्मी से राहत मिली है। मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली के कई इलाकों में तेज बारिश हुई। इसके अलावा गाजियाबाद और नोएडा में भी बारिश हुई। तेज बारिश के कारण दिल्ली-एनसीआर के कई इलाकों में सड़कों पर जलजमाव हो गया। बारिश के बाद दिल्ली में कई जगहों पर रोड जाम हो गया। इससे पहले भारतीय मौसम विज्ञान विभाग ने सोमवार को दिनभर आंशिक रूप से बादल छाए रहने की संभावना जताई थी। विभाग ने कहा था कि हल्की बारिश भी हो सकती है। इस दौरान अधिकतम तापमान 36 डिग्री तो न्यूनतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस रहने के आसार हैं। मौसम विभाग ने मंगलवार को भी कमोबेश ऐसा ही मौसम बना रहने का अनुमान जताया है।

नहीं रहे पद्म विभूषण पंडित जसराज

न्यू जर्सी, एजेंसी। पद्म विभूषण से सम्मानित महान शास्त्रीय गायक पंडित जसराज का अमेरिका के न्यू जर्सी में सोमवार को निधन हो गया। वह 90 साल के थे। अपने 80 साल के संगीत के सफर में उन्हें कई अवॉर्ड्स से नवाजा गया था। यहां तक कि पिछले साल एक ग्रह का नाम भी उनके नाम पर रखा गया था। अंतरिक्ष में अपनी जगह बनाने वाला यह बेमिसाल सितारा आज धरती को अलविदा कह गया। उनकी बेटी दुर्गा जसराज ने बताया है, बड़े दुख के साथ हमें यह सूचित करना पड़ रहा है कि संगीत मार्तंड पंडित जसराज ने अमेरिका के न्यू जर्सी में सुबह 5:15 बजे अपनी कार्डिअक अरेस्ट के चलते अंतिम सांसें लीं। उन्होंने आगे कहा है, हम प्रार्थना करते हैं कि भगवान कृष्ण उनका स्वर्ग में प्यार से स्वागत करें जहां अब पंडित जी ओम नमोः भगवते वासुदेवाय सिर्फ अपने प्यारे भगवान के लिए गाएंगे। हम प्रार्थना करते हैं कि उनकी आत्मा को हमेशा संगीत में शांति मिले। पिछले साल सितंबर में इंटरनैशनल ऐस्ट्रोनॉमिकल यूनियन ने मंगल और बृहस्पति के बीच में पाए जाने वाले एक ग्रह का नाम पंडितजसराज रका था। यह ग्रह 2006 2006 में कोजा गया था। इसके साथ ही वह पहले ऐसे भारतीय संगीतज्ञ बने जिन्होंने अनंत अंतरिक्ष में अपनी जगह बनाई। पंडिज जी ने इसे भगवान की कृपा बताया था। मेवाती घराने से ताल्लुक रखने वाले पंडित जसराज ने न सिर्फ भारत बल्कि दुनियाभर को शास्त्रीय संगीत के सुरों में पिरोया था। वह अमेरिका और कनाडा में भी संगीत शिक्षा देते थे। ओम नमोः भगवते वासुदेवाय हो या ओम नमः शिवाय, पंडित जी की आवाज और शास्त्रीय गायन अपने-आप में प्रार्थना का रिवाज बन चुका था। शास्त्रीय संगीत से अपने जुड़ने के लिए बेगम अख्तर को श्रेय देने वाले पंडित जसराज ने 14 साल की उम्र में गायन शुरू किया था।

राष्ट्र निर्माण में उच्च शिक्षा की भूमिका अहमः निशंक

नयी दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल निशंक ने राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में उच्च शिक्षा अहम भूमिका का जिक्र करते हुए कहा कि भारत में शिक्षा की पुरानी परंपरा रही है जिसने भारत को विश्वगुरु के रूप में स्थापित किया है। श्री निशंक ने सोमवार को यहाँ राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित भारतीय विश्वविद्यालय संघ के सभी कुलपतियों के वार्षिक राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए कहा कि इतिहास गवाह है कि भारत ने हमेशा से ज्ञान का सही उपयोग किया है और उससे दुनिया को लाभान्वित किया है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में उच्च शिक्षा अहम भूमिका निभाती है. प्राचीन भारत में नालंदा, तक्षशिला, विक्रमशिला और वल्लभपुरी जैसे विश्वविद्यालयों का अस्तित्व इस बात का पर्याप्त प्रमाण है कि भारत में शिक्षा की पुरानी परंपरा रही है जिसने भारत को विश्वगुरु के रूप में स्थापित किया है। शिक्षा के इन प्राचीन विश्वविद्यालयों ने तिब्बत, चीन, ग्रीस, फ्रांस और मध्य एशिया सहित दुनिया भर के विद्वानों को आकर्षित किया है. वेदों और उपनिषदों के रूप में भारत की ज्ञान प्रणालियों को क्रमशः 1800 ईसा पूर्व और 800 ईसा पूर्व में पता लगाया जा सकता है।

सीट शेयरिंग के मुद्दे पर तेजस्वी खामोश

पटना, एजेंसी। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव सारा काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय जनता दल की संगठनात्मक बैठकें, बाढ़ प्रभावित इलाकों के दौरे, आम और खास लोगों से मिलना-जुलना तथा बातें करना सब जारी है। सत्ता पक्ष पर हमले भी बिना ब्रेक कर रहे हैं। सिर्फ सहयोगी दलों से दूरी बना रखी है। महागठबंधन में सीट बंटवारे के मुद्दे पर आपस में बात-मुलाकात करने के लिए उनके पास फुर्सत नहीं है। बिहार की राजनीति में हाल के दिनों में तेजी से बदलते घटनाक्रम और राजद की बेरूखी से घटक दल हैरान-परेशान और बेचैन हैं। जैसे-जैसे चुनाव का समय करीब आते जा रहा है, वैसे-वैसे उनकी उलझन बढ़ती जा रही है। आरजेडी की बेरूखी से सबसे ज्यादा आघात हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) को लगा है। हम प्रमुख जीतनराम मांझी अब निर्णायक दौर से गुजर रहे हैं।

कैम्पा फंड का पैसा दूसरे कामों में खर्च करने वाले राज्यों का आवंटन रोका जायेगा

नयी दिल्ली, एजेंसी। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावडेकर ने आज कहा कि क्षतिपूर्ति वृक्षारोपण कोष (कैम्पा) के लिए दिये जाने वाले पैसे को वृक्षारोपण से इतर काम में खर्च करने वाले राज्यों को भविष्य में इस कोष से होने वाला आवंटन रोका जा सकता है। वन एवं पर्यावरण के संबंध में राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के सचिवों तथा वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक वर्चुअल बैठक में श्री जावडेकर ने कहा कि पहले राज्यों को पिछले पाँच साल में वनों के विकास के अपने बजट का हिसाब देना होगा उसके बाद ही आगे उन्हें और राशि जारी की जायेगी। उन्होंने कहा कि राज्यों को कैम्पा कोष से मिलने वाली राशि का कम से कम 80 फीसदी शुद्ध रूप से वृक्षारोपण पर खर्च करना होगा। केंद्र सरकार वृक्षारोपण के लिए कैम्पा कोष से राज्यों को हर साल एक निश्चित राशि जारी करती है। इसका उद्देश्य राज्यों में वृक्षारोपण अभियान चलाकर वन क्षेत्र बढ़ाना है। ऐसी खबरें आ रही हैं कई राज्य सरकारें इस राशि का उपयोग वन अधिकारियों के गाड़ी खरीदने, बैठकें करने आदि पर खर्च कर रही हैं।

श्री जावडेकर ने आज की बैठक में स्पष्ट तौर पर उन्हें आगाह करते हुये कहा ÷कैम्पा के पैसे आ गये तो राज्य इसी पैसे से गाड़ियाँ खरीद रहे हैं। हम यह देखेंगे कि वन का बजट (पिछले) पाँच साल में कितना बढ़ा है और उसके बिना कैम्पा का पैसा नहीं मिलेगा। कैम्पा का जो पैसा मिला है उसका 80 प्रतिशत सिर्फ वृक्षारोपण के लिए मिलेगा। शेष 20 प्रतिशत ही क्षमता विस्तार के लिए खर्च कर सकते हैं। यह पैसा इंफ्रास्ट्रक्चर पर बर्बाद नहीं किया जाना चाहिये। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री ने कहा कि वित्त आयोग ने केंद्र से राज्यों को मिलने वाले हिस्से में वन का भारांश सात प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत कर दिया है। इससे राज्यों को ज्यादा राशि उपलब्ध होगी। इसलिए उन्हें अपना वन का बजट बढ़ना चाहिये।

बीकेटी में भीषण सड़क हादसा

बेकाबू ट्रक ने हाइड्रा को मारी टक्कर, 1 की मौत, चार गंभीर

लखनऊ, संवाददाता। नेशनल हाइवे पर एक बार फिर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। राजधानी लखनऊ नेशनल हाईवे के पास ट्रैफिक लाइट लगा रहे हाइड्रा सवार युवकों को बेकाबू ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में हाइड्रा पर सवार युवक विकेश (22) की मौके पर मौत हो गई। जबकि 4 घायल व्यक्ति की हालत गंभीर बनी हुई है। सभी घायलों को आनन-फानन में केजीएमयू के ट्रामा में भर्ती कराया गया है। यह भीषण हादसा सोमवार सुबह बीकेटी थाना क्षेत्र के चंद्रिका देवी मोड़ के नेशनल हाईवे पर अज्ञात

ट्रक द्वारा हाइड्रा को टक्कर मारने के बाद हुआ। बताया जा रहा है कि हाइवे मैनेजमेंट की ओर से ट्रफिक लाइट लगाने का काम चल रहा था। हाइड्रा पर सवार होकर युवक ट्रैफिक लाइट लगा रहे थे। तभी तेज रफ्तार ट्रक ने हाइड्रा पर जोरदार टक्कर मार दी।

पुलिस ने बताया कि ट्रैफिक लाइट लगा रहे हाइड्रा पर 5 युवक सवार थे। जिनमें एक की मौत हो चुकी है, जबकि तीन गंभीर रूप से घायल चौथा व्यक्ति जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा है। हादसा कितना भीषण था, इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि हाइड्रा के परखच्चे उड़े गए। टक्कर की आवाज सुनकर हाइवे पर जा रहे वहां भीड़ इकट्ठी हो गई। राहगीरों ने पुलिस को फोन किया। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंचे बीकेटी पुलिस ने घायलों को राहगीरों की मदद से घायलों को चारों को केजीएमयू के ट्रामा में भर्ती कराया गया है। जहां डॉक्टरों ने विकेश को मृत घोषित कर दिया। जबकि पंकज की हालत नाजुक बनी हुई और तीन घायलों का इलाज चल रहा है। हादसे में घायल सातापुर के राहुल, सुनील, पंकज और राहुल हैं। सूचना पर सीतापुर से लखनऊ केजीएमयू पहुंचे परिजनों को रो-रोकर बुरा हाल है। वहीं, पुलिस ने मामला दर्ज कर हादसे की जांच शुरू कर दी है।

विधानसभा पुरुषोत्तम दास टंडन हाल में राज्यसभा के लिए निर्वाचित जयप्रकाश निषाद प्रमाण पत्र प्राप्त करते हैं

योगी राज में महिलाओं की कत्लगाह का बना उत्तर प्रदेशः दारापुरी

लखनऊ, संवाददाता। मुख्यमंत्री के क्षेत्र गोरखपुर में 17 साल की लड़की के साथ सामूहिक दुष्कर्म के बाद उसके शरीर को सिगरेट से दाग देना, लखीमपुर खीरी में 13 साल की बच्ची के साथ दुष्कर्म करके उसकी जबान तक काट डालना, हापुड़ में 6 साल से कम उम्र की बच्ची के साथ बलात्कार व देश की प्रतिभा कैलिफोर्निया में पढ़ने वाली 20 वर्षीय सुदीक्षा की ग्रेटर नोएडा में छेड़खानी के कारण सड़क दुधर्टना में मौत समेत प्रदेश में लगातार हो रही महिला हिंसा की घटनाओं ने इंसानियत को हिला कर रख दिया है. प्रदेश महिलाओं की कत्लगाह में तब्दील हो गया है. ऐसी स्थिति में भी महिला सुरक्षा के लिए चल रही 181 वूमेन हेल्पलाइन व महिला समाख्या जैसी योजनाओं को सरकार ने समाप्त कर दिया है. इसलिए महिलाओं की सुरक्षा के लिए महिला राज्यपाल को हस्तक्षेप कर सरकार को निर्देश देना चाहिए. यह मांग आज राज्यपाल को आल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के राष्ट्रीय प्रवक्ता एस. आर. दारापुरी ने पत्र भेज कर उठाई है. उक्त पत्र आइपीएफनेता दिनकर कपूर ने राज्यपाल कार्यालय में जाकर दिया व ईमेल से भी भेजा गया.

पत्र में कहा गया है कि राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश महिला उत्पीड़न के मामले में देश में सबसे ऊंचे पायदान पर है. महिलाओं पर हिंसा, बलात्कार, छेड़छाड़ आदि की घटनाएं आए दिन हो रही हैं. बावजूद इसके सरकार ने महिलाओं की सुरक्षा के लिए चलायी जा रही 181 वूमेन हेल्पलाइन की सुविधा को दो माह से बंद किया हुआ है। इसमें काम करने वाली महिला कर्मचारियों को एक वर्ष से ज्यादा समय से वेतन नहीं दिया गया है। परिणामस्वरूप उन्नाव में कार्यरत एक महिला आयुषी सिंह ने 4 जून 2020 को आत्महत्या तक कर ली। इसके बाद हरकत में आयी सरकार ने जुलाई में 17 करोड़ 82 लाख रूपए वेतन देने का आदेश किया जिसे महज कमीशनखोरी के कारण आज तक भुगतान नहीं किया गया।

कोरोना संकट के बीच यूपी विधानमंडल का मानसून सत्र कल से शुरू

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश विधानमंडल का मानसून सत्र 20 अगस्त से शुरू होगा, लेकिन कोरोना महामारी को देखते हुए इसे संक्षिप्त किया गया है। विधानसभा सचिवालय के सूत्रों के अनुसार सत्र को 3 दिन का ही रखा गया है। इस सत्र की खास बात यह कि इसमें सदस्यों के कोरोना टेस्ट की सुविधा रहेगी। सत्र में भाग लेने वाले सदस्यों के लिये गर्म पानी और काढ़े का इंतजाम रहेगा। कोविड 19 के पमरे प्रोटोकॉल का पालन किया जायेगा तथा पूर्व विधायकों और सांसदों के आने पर रोक रहेगी। कैंटिन बंद रहेगी तथा दर्शक दीर्घा के पास भी नहीं जारी होंगे।

दलित सरपंच सत्यमेव की हत्या पर बोलीं प्रियंका

उत्तर प्रदेश में चरम पर है जंगलराज

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में जंगलराज चरम पर है और राज्य की योगी सरकार लोगों और खासकर महिलाओं को सुरक्षा देने में असफल साबित हो रही है। गांधी ने ट्वीट कर कहा कि उत्तर प्रदेश में जातीय हिंसा और बलात्कार का जंगलराज चरम पर है। अब एक और भयानक घटना- सरपंच सत्यमेव ने दलित होने के कारण उनकी हत्या कर दी गयी। सत्यमेव जी के परिवारजनों के साथ हमारी संवेदनाएं है। श्रीमती वाड्रा ने कहा बुलंदशहर, हापुड़, लखीमपुर खीरी और अब गोरखपुर में लगातार इस तरह की घटनाओं से ये साबित होता है कि महिलाओं को सुरक्षा देने में उत्तर प्रदेश सरकार पूरी तरह विफल रही है।

उन्होंने कहा कि राज्य में अपराधी बेलगाम हो गए है और वे निर्भय होकर वारदात कर कर रहे

है। उन्होंने कहा अपराधियों के मन में कानून का कोई डर नहीं है। उसी का परिणाम है कि महिलाओं के खिलाफ अपराध की वीभत्स से वीभत्स घटनाएँ घटती ही जा रही हैं। पुलिस और प्रशासन न तो सुरक्षा दे पा रहे हैं और न ही उचित कार्रवाई कर पा रहे हैं। श्रीमती वाड्रा ने कहा उत्तर प्रदेश सरकार कानून व्यवस्था की समीक्षा करे और महिलाओं की सुरक्षा संबंधित हर कदम गंभीरता से उठाए।

विस सत्र में शामिल होने वाले सभी विधायकों का होगा कोरोना टेस्ट

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी से पांव पसारता जा रहा है। लिहाजा संक्रमितों की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है। इसे नियंत्रित करने में योगी आदित्यनाथ सरकार लगी हुई है। इस बार विधानसभा व विधान परिषद सदस्यों के लिए कोरोना टेस्ट की सुविधा उपलब्ध होगी। बता दें कि इसके लिए विधान भवन परिसर में तीनों तरह के टेस्ट की सुविधा होगी। विधानमंडल का मानसून सत्र 20 अगस्त से शुरू हो रहा है। कोरोना संकट के चलते सत्र की बैठकें केवल तीन दिन होंगी। संक्रमण रोकने के लिए विधानसभा सचिवालय कोविड-19 के पूरे प्रोटोकाल का पालन कराया जाएगा। इसीलिए सत्र के दौरान भीड़ रोकने के लिए गैलरी पास निरस्त कर दिए गए हैं।

बीईओ परीक्षाः छूटे अभ्यर्थियों के लिए दुबारा परीक्षा कराने की मांग

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने कल हुए बीईओ (खंड शिक्षा अधिकारी) प्रवेश परीक्षा में छूटे अभ्यर्थियों के लिए दुबारा परीक्षा कराये जाने की मांग की है। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ तथा यूपी लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष प्रभात कुमार को भेजे अपने पत्र में नूतन ने कहा कि आयोग के अनुसार 5,28,314 अभ्यर्थियों में 2,33,393 यानी 44.18ः अभ्यर्थी परीक्षा में शामिल हुए. जाहिर है शेष अभ्यर्थी मात्र कोरोना के कारण उत्पन्न स्थितियों, आवागमन के साधनों के अभाव, सामान्य भय आदि के कारण परीक्षा में शामिल नहीं हो सके अन्यथा कोई कारण नहीं था कि जो अभ्यर्थी वर्षों से परीक्षा की तैयारी कर रहे हों वे इतनी बड़ी संख्या में परीक्षा में सम्मिलित नहीं होते. नूतन ने कहा कि यदि इन अभ्यर्थियों को परीक्षा में बैठने का अवसर नहीं दिया जाता है तो यह उनके साथ अन्याय होगा।

केजीएमयू में खुला मुल्क का सबसे बड़ा प्लाज्मा बैंक

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश की राजधानी में स्थित किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय में प्लाज्मा बैंक खुल गया है और संस्थान का दावा है कि यह देश का पहला सबसे बड़ा प्लाज्मा बैंक है जहां 830 यूनिट प्लाज्मा संग्रह किया जा सकता है। किंग जार्ज मेडिकल विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के शताब्दी भवन में ब्लड बैंक के पास प्लाज्मा बैंक स्थापित किया गया है । यहां से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक संस्थान में कोरोना को हरा चुके 45 योद्धा प्लाज्मा दान कर चुके हैं, और 25 मरीजों को प्लाज्मा चढ़ाया भी जा चुका है। इस प्लाज्मा बैंक ने काम करना आरंभ कर दिया है। केजीएमयू में किसी कोरोना रोगी पहली बार 27 अप्रैल को प्लाज्मा थेरेपी दी गयी थी। यह रोगी उरई के एक 58 वर्षीय डाक्टर थे। इनको प्लाज्मा देने वाली कनाडा की एक महिला डाक्टर थी, वह केजीएमयू में भर्ती हुई थी लेकिन

दुर्भाग्यवश नौ मई को दिल का दौरा पड़ने और किडनी फेल होने से डॉक्टर की मौत हो गयी थी। केजीएमयू के ब्लड ट्रांसप्यूजन विभाग की अध्यक्ष डॉ.तूलिका चंद्रा ने सोमवार को बताया कि उप्र के इस पहले प्लाज्मा बैंक में देश में सबसे अधिक 830 यूनिट प्लाज्मा संग्रह किया जा सकेगा। बैंक में प्लाज्मा को सुरक्षित संग्रह करने के सभी संसाधन उपलब्ध हैं। बैंक में उपलब्ध प्लाज्मा प्रदेश के दूसरे जिलों के अस्पतालों में इलाज करा रहे मरीजों को भी आवश्यकता पड़ने पर उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि केजीएमयू में एक दिन में 120 लोग प्लाज्मा दान कर सकेंगे, इसके लिए प्लाज्मा फेरेसिस मशीनें लगायी गयी है। एक व्यक्ति से प्लाज्मा संग्रह करने में करीब एक घंटे का वक्त लगता है, डीप फ्रीजर में करीब एक साल तक प्लाज्मा सुरक्षित रखा जा सकेगा। तुलिका ने कोरोना से ठीक हो चुके लोगो से अपील की कि वह प्लाज्मा दान करने के लिये आगे आयें, ताकि गंभीर कोविड-19 रोगियों की जान बचाई जा सके। उन्होंने कहा कि कोरोना से ठीक हो चुके मरीज ठीक होने के 14 दिन बाद तक प्लाज्मा दान कर सकते हैं और इसके अलावा ऐसे मरीज जिनमें जांच के बाद एंटीबॉडी मौजूद मिले, वह भी प्लाज्मा दान कर सकते हैं।

पुलस्त तिवारी एनकाउंटर फर्जी, मानवाधिकार आयोग को शिकायत

लखनऊ, संवाददाता। एक्टिविस्ट डॉ नूतन ठाकुर ने 09 तथा 10 अगस्त 2020 की रात सर्वोदय नगर, इंदिरा नगर, लखनऊ निवासी पुलस्त तिवारी के लखनऊ पुलिस से हुए कथित मुठभेड़ को गलत बताते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग से इस संबंध में जाँच की मांग की है, लखनऊ पुलिस ने दावा किया था कि आशियाना थाना क्षेत्र में देर रात हुई मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी बदमाश पुलस्त तिवारी को गिरफ्तार किया है, जिसके दाहिने पैर में गोली लगी है. पुलिस के अनुसार आशियाना पुलिस जोन-8 दफ्तर के पास चेकिंग कर रही थी, जहाँ पुलस्त बिना नंबर प्लेट की काले रंग की बाइक पर आया तथा पीछा करने पर गोली चलाया, नूतन के अनुसार पुलस्त की माँ मंजुला तिवारी तथा अन्य परिवार के लोगों ने उन्हें बताया कि 09 अगस्त की शाम करीब 6-6.30 बजे दो पुलिस वाले उनके घर आये और वे पुलस्त को अपने साथ ले गए।

भीषण गर्मी में रूला रही है बिजली की आवा-जाही

स्थानीय निवासी प्रदर्शन करेगें तालकटोरा उप-खण्ड का घेराव

लखनऊ, संवाददाता। तालकटोरा उप-खण्ड के अर्न्तगत आने वाले इलाकों मालवीय नगर, मोतीझील, ताल कटोरा करेहटा आदि के उपभोक्ता पिछले पन्द्रह दिनों से बार-बार बिजली की आवाजाही से परेशान हो चुके है। दिन हो या रात कई-कई बार बिजली आ जा रही है। एसडीओ तालकटोरा इसका कोई संतोषजनक कारण नहीं बता पा रहे है। स्थानीय मोतीझील निवासी सुमित गुप्ता ने बताया कि एसडीओ तालकटोरा के अनुसार कही कोई फाल्ट नहीं है। तार वाली पतंगों से फाल्ट हो जाता है। सवाल यह है कि रात में कौन पतंग उड़ाता है। वास्तव में बिजली के पोल पर तारों के मकड़जाल के कारण पोल से बिजली

जा रही है। रात में बिजली ठीक करने गये स्थानीय उप-खण्ड के लाइन मैन ने भी यही कारण बताया है। स्थानीय परेशान उपभोक्ताओं की मानें तो एसडीओं नये-नये बहाने बनाते है। शिकायत करने पर कभी बताते है कि पेड़ों की छंटाई के कारण बिजली नहीं आ रहीं है तो कभी तार वाली पतंग के कारण तो कभी तेज हवा के कारण बिजली नही आ रही है। ऊपर से दावा करते है कि सबसे अच्छी बिजली सप्लाई उप-खण्ड तालकटोरा ही दे रहा है। वास्तव में बड़े दावे करने वाले एसडीओं आपूर्ति व्यवस्था संभाल नही पा रहे है। उ0प्र0 में मंहगी बिजली होने के बाद भी शहर में राजधानी में विद्युत आपूर्ति का यह हाल है तो गांवों की स्थिति की तो सहज कल्पना की जा सकती है। चौबीसों घण्टे बिजली आपूर्ति का दावा हवा-हवाई साबित हो रहा है। जबकि वही चैन्नई में मात्र एक रूपये पचहत्तर पैसे प्रति यूनिट की दर से निर्बाध बिजली मिल रही है। बिजली की आवा-जाही से परेशान तालकटोरा उप-खण्ड के उपभोक्ता अब प्रदर्शन करने को मजबूर हो गये है।

जगजीवन राम रेलवे सुरक्षा बल अकादमी में आयोजित उप निरीक्षक रेलवे सुरक्षा विशेष बल के दीक्षांत समारोह की परेड की सलामी लेते डीजी आरपीएफ अरुण।

यूपी देश का पहला राज्य जहां कोरोना से दो मंत्रियों की मौत जवाबदेही किसकी

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस का संक्रमण तेजी से पांव पसारता जा रहा है। प्रदेश के प्रत्येक जिले इसकी जद में आ गए हैं जहां संक्रमितों की संख्या में तेजी से बढ़ोत्तरी दर्ज की जा रही है। वहीं यूपी में कोरोना को लेकर सियायत भी बढ़ती जा रही है। आम आदमी पार्टी के सांसद संजय सिंह ने कोरोना को लेकर योगी सरकार पर लापरवाही का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि योगी सरकार बड़े-बड़े दावे जरूर कर रही है लेकिन हकीकघ्त ये है की उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य है जहां कोरोना से दो मंत्रियों की मृत्यु हो चुकी है। सिंह ने कहा कि यह जवाबदेही किसकी है? उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि योगी सरकार कोरोना रोकने के बजाय मुकघ्दमा

लिखने में व्यस्त है। गौरतलब है कि कोरोना की चपेट में आकर योगी सरकार में प्राविधिक शिक्षा मंत्री कमल रानी वरुण 18 जुलाई को कोरोना से संक्रमित पाई गई थीं और रविवार को उनका निधन हो गया। कमल रानी का इलाज राजधानी लखनऊ के एसजीपीआई अस्पताल में चल रहा था। वहीं रविवार को मंत्री चेतन चौहान की भी कोरोना से मौत हो गई है। कोरोना से संक्रमित होने के बाद उन्हें गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। मेदांता हॉस्पिटल में ही इलाज के दौरान किडनी फेल होने के चलते उनका निधन हो गया।

कोरोना और अपराध दोनों को रोकने में भाजपा सरकार अक्षम

लखनऊ, संवाददाता। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा है कि उत्तर प्रदेश में कोरोना और कानून व्यवस्था के संकट से लोग बुरी तरह पीड़ित और आतंकित है। प्रदेश में दो मंत्रियों की कोरोना से दुःखद मौत हो चुकी है। विधायक भी इसके शिकार हैं। डॉक्टर, सीएमओ का निधन भी इस बीमारी में हो चुका है। भाजपा सरकार में अपराधिक घटनाएं भी थम नहीं रही है। पुलिस बेगुनाहों, लाचार लोगों पर हाथ उठाने लगी है क्योंकि बाहुबली नेताओं और गुण्डों के आगे वह असहाय बन जाती है। अपराध और शासन के गठजोड़ ने पूरे प्रदेश को बदनाम कर दिया है। कोरोना का कहर जारी है। राजधानी लखनऊ में शनिवार, रविवार को 1485 लोगों को संक्रमण हुआ और 25 मरीजों ने दम तोड़ दिया। उत्तर प्रदेश में रविवार तक कोरोना मरीजों की संख्या 1 लाख 54 हजार 515 हो गई। कल तक कुल 2449 से अधिक मौतें हो चुकी हैं। इस महामारी से लोगों के दिलों में डर पैदा हो चला है। बाजार में कामकाज अभी भी गति नहीं पकड़ सका है। अस्पतालों में बेड और दवाओं की मारामारी है। फिर भी सरकार का बड़बोलापन जारी है। अन्नदाता किसान पर पुलिस के जुल्म की ललितपुर में इंतिहा हो गई जब एक बुजुर्ग की पुलिस ने बर्बरतापूर्ण पिटाई की और उसके कान के पर्दे फट गए। यह पुलिस की शून्य संवेदनशीलता की परिचायक है। मुख्यमंत्री के वी.वी.आई.पी. जिले गोरखपुर में वकील राजेश्वर पाण्डेय की हत्या कर दी गई। जगदीशपुर (अमेठी) में एक नाबालिग लड़की से दुराचार किया गया। गाजियाबाद में पेट्रोल पम्प के कर्मचारी पर बदमाशों ने गोली चलाई। बरेली कोविड सेन्टर में रेप करने वाला पुलिस की पकड़ से बाहर, हमीरपुर में विवाहिता ने फांसी लगा ली। मैनपुरी की गौशाला में एक दर्जन गायों की मौत हो गई। आगरा सहित दर्जनों गांवों में मारपीट और झगड़े में लोगों को गम्भीर चोट लगना प्रतिदिन की घटनाएं हैं। गोण्डा के बल्लीपुर गांव में किशोरी के भाई की मौत छेड़छाड़ का विरोध करने पर हुई। बाराबंकी में युवती का शव सूटकेस में रखकर अपराधी ने फेंक दिया। स्थितियां दिन प्रतिदिन गम्भीर होती जा रही हैं। सरकार का घटनाओं पर मूकदर्शक बने रहना खतरनाक है। कोरोना संक्रमण थम नहीं रहा है।

भाकियू की बैठक में छाया रहा जर्जर विद्युत तारों तथा खराब सड़कों का मुद्दा

■ मांगे पूरी न होने पर आंदोलन की दी गई चेतावनी

बिंदकी, फतेहपुर। भारतीय किसान यूनियन की बैठक में प्रमुख रूप से क्षेत्र में जर्जर विद्युत तारों तथा खराब सड़कों का मुद्दा छाया रहा इसके अलावा अन्य समस्याओं पर भी चर्चा हुई भारतीय किसान यूनियन के नेताओं ने प्रशासन को चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगे पूरी नहीं हुई तो अनिश्चितकालीन आंदोलन शुरू कर दिया जाएगा

सोमवार को भारतीय किसान यूनियन की बैठक तहसील परिसर में प्रारंभ हुई बैठक को संबोधित करते हुए किसान यूनियन के तहसील अध्यक्ष रामसहाय पटेल ने कहा कि क्षेत्र के अधिकांश स्थानों पर पुराने जर्जर विद्युत तार लगे हैं जिसके चलते आए दिन बिजली के तार टूट कर गिरते हैं हादसे होते हैं और फाल्ट भी होते रहते हैं जिसके कारण विद्युत आपूर्ति भी बाधित होती रहती है ऐसी स्थिति में खराब पड़े विद्युत तारों को बदलने का काम किया जाए बैठक को संबोधित करते हुए मलवा ब्लाक अध्यक्ष नवल सिंह पटेल ने कहा कि क्षेत्र के कई गांव में सड़कें जर्जर हो गई हैं जिनसे वाहन तो दूर पैदल चलना कठिन हो गया है खासकर बरसात के दिनों में सड़कों में पानी दलदल भरा है निकलना दुश्वार हो रहा है ऐसी स्थिति में जर्जर हो गए मार्गो की मरम्मत की जाए। बैठक में भारतीय किसान यूनियन के नेताओं ने आरोप लगाया कि वरासत के नाम पर कुछ लेखपालों द्वारा वसूली की जा रही है ऐसे लेखपालों के खिलाफ कार्यवाही की जाए बैठक में हरदौली गांव के नाले में दीवार खड़ी करने का मुद्दा भी उठाया गया और कहा गया कि नाले के ऊपर दीवार खड़ी करने से नाले का पानी निकल नहीं पा रहा और जलभराव की स्थिति बनी रहती है क्षेत्र से आए भारतीय किसान यूनियन के कार्यकर्ताओं ने घरही खेड़ा गांव में खराब पड़े ट्रांसफार्मर की शिकायत बताते हुए कहा कि पिछले कई दिनों से ट्रांसफार्मर खराब है जिसके कारण परेशानी का सामना करना पड़ रहा है नलकूप नहीं चल पा रहे धान की फसल की सिंचाई नहीं हो पा रही इतना ही नहीं घरही खेड़ा से कोरईया तक का मार्ग पूरी तरह से जर्जर हो गया है जिससे चलना मुश्किल है कुछ ग्रामीणों ने सैलावन गांव में 25 केवीए की जगह 63 केवीए का ट्रांसफार्मर लगवाने की मांग की। बैठक में स्पष्ट रूप से चेतावनी दी गई कि यदि उनकी मांगे पूरी नहीं हुई तो अनिश्चितकालीन के लिए आंदोलन शुरू कर दिया जाएगा इस मौके पर भारतीय किसान यूनियन के तहसील अध्यक्ष रामसहाय पटेल मलवा ब्लाक अध्यक्ष नवल सिंह पटेल राजन सिंह जय सिंह मणिलाल रामनरेश पुन्नू शुक्ला जगदीश प्रसाद केशन सहित तमाम भारतीय किसान यूनियन के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

ओवरलोडिंग में डेढ़ दर्जन ट्रक सीज

प्रयागराज। थाना क्षेत्र के अन्तर्गत ओवरलोडिंग के खिलाफ अपर पुलिस महानिरीक्षक प्रेम प्रकाश के निर्देशन पर क्षेत्राधिकारी सच्चिदानंद शर्मा के पर्यवेक्षण में मेजा प्रभारी राकेश कुमार चौरसिया के नेतृत्व में मय हमराह उपनिरीक्षक रवि शर्मा, उप निरीक्षक सुशील यादव , उप निरीक्षक रामाधार यादव ,उपनिरीक्षक इंद्रजीत यादव, कांस्टेबल आकाश कुमार के द्वारा 14/ 8/20 से 15/ 8/20 20 चेकिंग के दौरान अवैध ट्रक बालू व गिट्टी ओवर लोड में सीज की गई। पकड़े गए ट्रको पर नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की गई।

बाइकों के भिड़ंत में एक युवक घायल

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र से जिला अस्पताल रेफर

बिंदकी, फतेहपुर । दो बाइकों के तेज भिड़ंत में एक बाइक में सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया जिसको इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया चिकित्सक ने हालत चिंताजनक देखते हुए प्राथमिक उपचार बाद जिला अस्पताल रेफर कर दिया जानकारी के अनुसार कोतवाली बिंदकी क्षेत्र के दरवेश आबाद गांव के समीप दो बाईकों में आमने-सामने तेज भिड़ंत हो गई जिसमें एक बाइक में सवार रामराज साहू उम्र 45 वर्ष निवासी जहान पुर गांव कोतवाली बिंदकी जनपद फतेहपुर गंभीर रूप से घायल हो गया घायल युवक को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया काफी देर से उपचार के बाद युवक की हालत में कोई सुधार नहीं हुआ तो चिकित्सक ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया युवक की हालत गंभीर बताई जाती है दुर्घटना के बाद मौके पर हड़कंप मचा रहा परिजन और ग्रामीण भारी संख्या में अस्पताल पहुंचे।

घरेलू कलह के चलते महिला ने खाया जहरीला पदार्थ

बिंदकी, फतेहपुर । घरेलू कलह के चलते महिला ने जहरीला पदार्थ खा लिया महिला की हालत बिगड़ी तो परिजनों के पैरों तले जमीन खिसक गई महिला को निजी वाहन से लाकर अस्पताल में भर्ती कराया गया जानकारी के अनुसार कोतवाली क्षेत्र के दौलताबाद गांव में घरेलू कलह के चलते सीमा देवी उम्र 25 वर्ष पत्नी पिंटू ने जहरीला पदार्थ खा लिया महिला सीमा देवी की हालत बिगड़ी तो परिजनों ने निजी वहां से लाकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया इस बीच परिजनों में हड़कंप मचा रहा हालांकि काफी देर चले उपचार के बाद महिला की हालत में सुधार हुआ तो परिजन वापस घर ले गए परिजन ने बताया कि अभी इस बात की जानकारी स्पष्ट नहीं हो पा रही कि महिला ने आखिर किस बात से नाराज होकर जहरीला पदार्थ खाया है घर में पूछताछ करने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा।

फिर मिले 28 कोविड-19 संक्रमित

फतेहपुर । जिले में फिर मिले 28 कोरोना पॉजीटिव केस मिले द्य डीएम संजीव कुमार ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दी जानकारी जिले में कुल हुए 897 कोरोना पॉजीटिव केस अभी तक मिले है द्य 620 कोरोना को मात देकर पहुंचे अपनो के बीच, 206 एक्टिव केस, कोरोना से जिले में 12 लोगो की अब तक हो चुकी मौत द्य डीएम ने कन्टेन्टमेंट एरिया को कराया सील, बाहरी ब्यक्तियो का प्रवेश रहेगा वर्जित।

बैंक प्रबंधक विशाल जौहरी के स्थानतरण पर लोगों ने दी विदाई

प्रयागराज /करछना। बैंक आफँ बड़ौदा करछना शाखा के प्रबंधक विशाल जौहरी के स्थानानंतरण पर बैंक कर्मचारियों और स्थानीय लोगों ने विदाई दी। उनके कार्यकाल की सराहना करने से पहले बैंक के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उन्हें फूल-मालाओं से लाद दिया तथा अंगवस्त्रम् एवं कई तरह के उपहार देकर उनका सम्मान बढ़ाया। विदाई समारोह में बैंक मैनेजर विशाल जौहरी ने संबोधित करते हुए कहां की जिस तरह से आपने बैंक मैनेजर का बैंक के प्रति जो सहयोग किया है उसी तरह आगे भी आने वाले नए अधिकारी के साथ मिल कर के सहयोग कीजिए जिसे बैंक की गरिमा है यूं ही बनी रहे और बैंक मैनेजर आते रहेंगे और जाते रहेंगे लेकिन बैंक आप ग्रामवासियों की है इसीलिए हमेशा बैंक के प्रति अच्छा सहयोग करते हुए नई ऊंचाइयों की ओर ले जाइए जिसे गांव का नाम और बैंक का नाम रोशन होगा।

वर्चुअल मीटिंग के माध्यम से वैश्य एकता परिषद के पदाधिकारियों से रूबरू हुए नगर विकास मंत्री महेश गुप्ता

- बैठक में कानपुर हवाई अड्डे का नाम स्व.अटल बिहारी बाजपेई व परिषद के स्व. दिलीप गुप्ता की मूर्ति लखीमपुर में लगाने की मांग की गई

फतेहपुर । अखिल भारतीय वैश्य एकता परिषद व ट्रेडर्स एंड इंडस्ट्रीज वेलफेयर एसोसिएशन की एक वर्चुअल मीटिंग परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा सुमंत गुप्त के सानिध्य में संपन्न हुई। बैठक मे मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश सरकार के नगर विकास राज्य मंत्री महेश गुप्त जी उपस्थित रहे। वर्चुअल मीटिंग मे प्रदेश सहित विभिन्न प्रांतों के पदाधिकारी जुडे । मीटिंग में देश के पूर्व प्रधानमंत्री स्व अटल बिहारी बाजपेई जी को याद करते हुये उन्हे भावभीनी श्रद्घांजलि अर्पित की गई। ट्रेडर्स एंड इंडस्ट्रीज वेलफेयर एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष के आकस्मिक निधन नौ अगस्त को हो गया था। उनको सभी ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वक्ताओं ने उनके व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुये कहा कि दिलीप जी ने सदैव संगठन को गतिशील बनाये रखने में अपना सदैव योगदान दिया। युवाओं के वह प्रमुख प्रेरणा श्रोत रहे है। प्रखर वक्ताओं व कुशल मंच संचालन में उनको विशेष रूप से महारत हासिल थी। बैठक में प्रमुख रूप से नगर विकास राज्य मंत्री महेश गुप्ता ने वक्ताओं से मांग की कि लखीमपुर निवासी दिलीप जी की मूर्ति लखीमपुर में लगवाई जाये। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नगर विकास मंत्री महेश गुप्ता ने कहा कि स्व दिलीप जी ने सदैव संगठन हित व समाज हित में कार्य किया। जिसको समाज सदैव याद रखेगा। उनके द्वारा किये गये कार्यों को भुलाया नहीं जा सकता। उन्होंने कहा कि संगठन में आपसी प्रेम व भाईचारा बनाकर संगठन को आगे बढाया जा सकता है। वर्चुअल मीटिंग में दो प्रस्ताव पारित किये गये। प्रथम कानपुर हवाई अडडे का नाम अटल जी के नाम से रखा जाये। द्वितीय स्व दिलीप गुप्ता के नाम से जनपदों में छात्रों को संगठन के माध्यम से कम से कम पांच छात्रों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाये। अंत मैं , दिलीप जी व सुधीर जी की पत्नी को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस दौरान स्वर्गीय दिलीप गुप्ता जी की पत्नी सहित परिवार मौजूद रहद्व द्य मीटिंग में प्रमुख रूप से महाराष्ट्र अध्यक्ष राम किशन गुप्त, दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष नरेश माहेश्वरी, अजय गुप्त, राष्ट्रीय प्रधान महासचिव विनय अग्रवाल, राष्ट्रीय महासचिव विनोद गुप्त, धर्मवीर गुप्त, राम विशाल गुप्त, युवा जिलाध्यक्ष शैलेंद्र शरन सिंपल, श्रीकृष्ण गुप्त, रामस्वरूप गुप्ता, अरुण जायसवाल,ओम प्रकाश गुप्ता, विजय रस्तोगी आदि रहे।

पिकअप की टक्कर से युवक घायल

फतेहपुर, । हुसैनगंज थाना क्षेत्र के ग्राम बेरागढ़ीवा के समीप सोमवार की शाम पिकअप की चपेट में आ जाने से बाइक सवार 27 वर्षीय एक युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। हादसे में उसका साथी बाल-बाल बच गया। जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के कैलाशपुर गांव निवासी रतन सिंह का पुत्र पंकज गांव के ही विनोद कुमार के साथ मोटरसाइकिल से शहर किसी काम से आया था। शाम लगभग चार बजे वापस लौटते समय जैसे ही बाइक थाने के बेरागढ़ीवा के समीप पहुंची तभी सामने से आ रही पिकअप ने बाइक में टक्कर मार दिया। जिससे पंकज गम्भीर रूप से घायल हो गया। जबकि उसका साथी बाल-बाल बच गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची सरकारी एम्बुलेन्स ने घायल को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

सड़क हादसे में किशोर व बालिका घायल

फतेहपुर, । ललौली थाना क्षेत्र के ग्राम देवगांव के समीप सोमवार की दोपहर अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से 10 वर्षीय एक किशोर व 8 वर्षीय एक बालिका चुटहिल हो गये। जिन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया। जहां इमरजेन्सी में ही चिकित्सकीय उपचार के बाद घर वापस भेज दिया गया। जानकारी के अनुसार देवगांव निवासी रविकरन का पुत्र रितेश कुमार व जयकरन की पुत्री शिवानी गांव के बाहर रोड किनारे आज दोपहर खेल रहे थे। तभी विपरीत दिशा से आ रहे अज्ञात वाहन की चपेट में आ जाने से चुटहिल हो गये। घटना के बाद वाहन मौके से भाग जाने में सफल रहा। आनन-फानन दोनों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया। जहां इमरजेन्सी में ही उपचार के बाद घर वापस भेज दिया गया।

नगर में हुए कुल 22 कन्टेनमेंट जोन,कराया गया सैनिटाइजेशन

कोरोनावायरस संक्रमण से बचाव की अपील

बिंदकी, फतेहपुर। नगर में कोरोनावायरस संक्रमण कम होने का नाम नहीं ले रहा है अब तक कुल 22 कंटेनमेंट जोन हो चुके हैं जहां पर नगर पालिका परिषद द्वारा प्रतिदिन सैनिटाइजेशन का काम कराया जा रहा है ताकि कोरोनावायरस संक्रमण को रोका जा सके लोगों को कोरोनावायरस संक्रमण से बचाव की लगातार हिदायत भी दी जा रही है।

नगर में कोरोनावायरस संक्रमण कम होने का नाम नहीं ले रहा है अब तक कुल 22 कंटेंटमेंट जोन हो चुके हैं जिनमें नगर पालिका परिषद द्वारा लगातार दवा का छिड़काव कर सेंटा जिशन कराया जा रहा है सोमवार को भी नगर के रविदास मंदिर के समीप मीरखपुर, गुड़िया नीबी वाली गली, गांधी चौराहे के समीप तहसील रोड सहित कई इलाकों में दवा का छिड़काव कराया गया नगर पालिका परिषद के सफाई स्पेक्टर राजेंद्र कुमार सिंह सफाई नायक रोशन दुबे सहित नगर पालिका परिषद के कई कर्मचारी की मौजूदगी में सैनिटाइजेशन कराया गया। नगर में अब तक मोहल्ला पुरानी बिंदकी, इलाहाबाद बैंक के समीप, नई कॉलोनी, पैगंबरपुर, गियाही गली किराना गली, खरियाही मंदिर, खजुहा चौराहा के पास दो, जहानपुर मे 2, मीरखपुर में दो स्थानों, तहसील परिसर, कोतवाली परिसर, मुगलाही,लाहौरी, छिपहटी, महाजनी गली में दो स्थानों पर, पुराना इलाहाबाद बैंक, ठठराही में कंटेनमेंट जोन घोषित किया जा चुका है जिसकी पुष्टि जिला अधिकारी संजीव कुमार सिंह द्वारा समय-समय पर की गई है हालांकि इनमें कई स्थानों पर कंटेंटमेंट जोन की अवधि समाप्त भी हो चुकी है फिर भी नगर पालिका परिषद द्वारा सैनिटाइजेशन का काम लगातार कराया जा रहा है लोगों से कोरोनावायरस संक्रमण से बचाव की अपील की जा रही है कि बेवजह घरों से बाहर ना निकले बाहर निकले तो सामाजिक दूरी का पालन करें और मॉस्क अवश्य लगाएं तथा समय-समय पर हाथ भी साफ करते रहें।

कोरोना पॉजिटिव लिस्ट पर स्वास्थ्य विभाग पर खड़े हो रहे सवालिया निशान

प्रयागराज। स्वास्थ्य विभाग महीने भर से जिले के कोरोना पॉजिटिव संक्रमित मरीजों की लिस्ट सोशल मीडिया पर जारी करता है। इस लिस्ट में महीने भर के अंदर कई खामियां देखने में मिली है। लिस्ट के अंदर एक मरीज के कई बार नाम दर्ज होते है। इतना ही नहीं जो मरीज निगेटिव होता है उसे भी पॉजिटिव घोषित कर दिया जाता हैं। सबसे बड़ा मामला रविवार को देखने को मिला। कल रात जारी पॉजिटिव की लिस्ट में सीरियल नं0 98 पर डाला सांसद रीता बहुगुणा जोशी के पति पूरन चन्द्र जोशी का नाम था। पूरन चन्द्र जोशी की कल कोरोना की एंटीजोन और ऋज्ञक्ष्ट जांच हुई थी। एंटीजोन रिपोर्ट नेगेटिव आया था जबकि ऋज्ञक्ष्ट की रिपोर्ट अभी आई नही है । पॉजिटिव की लिस्ट में आने से परिवार में हड़कम्प मच गया था। सांसद रीता बहुगुणा जोशी ने इस मामले को स्वास्थ्य मंत्री तक पहुंचाया है और इसमें जांच के आदेश दिए हैं। स्वास्थ्य विभाग महीने भर से कोरोना पॉजिटिव मरीजों की लिस्ट 150 से लेकर 250 तक जारी करता है जिसमें मृत्यु की भी संख्या दर्ज करता है तथा ठीक हुए मरीजों की भी जानकारी लिस्ट में रहती है। सीएमओ डा0 सीएस वाजपेई ने इसे क्लार्कियल गलती बताया है। सांसद के पति की रिपोर्ट से पहले भी देखी गयी है खामियां। अगर जल्द ही स्वास्थ्य विभाग लिस्ट को जारी करने में सतर्कता नहीं दिखाई तो अभी और ऐसे मामले देखने को मिलेगें।

महिला समेत दो ने खाया जहर

फतेहपुर, । जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के अन्तर्गत महिला समेत दो ने जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या करने का प्रयास किया। जिन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जानकारी के अनुसार सदर कोतवाली क्षेत्र के गंगा नगर कालोनी निवासी प्रेम की 40 वर्षीय पत्नी नीलिमा देवी ने आज दोपहर घरेलू कलह के चलते जहर खा लिया। इसी क्रम में कल्यानपुर थाना क्षेत्र के मौहार गांव निवासी गजराज के 35 वर्षीय पुत्र सुमेर ने मामूली विवाद के चलते जहर खाकर जान देने की कोशिश की। कुछ समय बाद जब दोनों की हालत बिगड़ने लगी तो परिजन उन्हें आनन-फानन सरकारी एम्बुलेन्स द्वारा उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती करा दिया।

शांति भंग में 11 निरूद्ध

फतेहपुर, । जनपद के आधा दर्जन थानों की पुलिस ने सोमवार को क्षेत्र में आतंक व अशांति फैलाने वाले लगभग एक दर्जन लोगों के विरूद्ध 151 के तहत कार्रवाई की है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार ललौली थानाध्यक्ष एक, जाफरगंज एक, मलवां एक, गाजीपुर एक तथा कल्यानपुर थानाध्यक्ष ने दो लोगों के विरूद्ध शांति भंग के तहत कार्रवाई की है।

तीन वांछित गिरफ्तार

फतेहपुर, । पुलिस अधीक्षक प्रशांत वर्मा के दिशा-निर्देशन में चलाये जा रहे धर पकड़ अभियान के तहत जनपद के दो थानों की पुलिस ने वांछित चल रहे तीन लोगों को मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा है। पुलिस प्रवक्ता के अनुसार हथगाम थाना प्रभारी आज सुबह अपने हमराही सिपाहियों के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। तभी मुखबिर की सूचना पर वांछित चल रहे सुनील साहू पुत्र अशरफी लाल निवासी खालिसपुर को गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार असोथर थाना प्रभारी ने गश्त के दौरान मोहित गुप्ता पुत्र पवन लाल गुप्ता, विमलेश गुप्ता पुत्र जवाहर लाल गुप्ता निवासीगण टीकर को गिरफ्तार करते हुए उसके विरूद्ध कार्रवाई कर न्यायालय भेज दिया।

वृक्षों के बिना मानव जीवन सम्भव नही

प्रयागराज। वृक्षों के बिना मानव जीवन सम्भव नही, वृक्ष हमारे लिए अनेक प्रकार से लाभदायक है, आदर्श पर्यावरण के लिए एक तिहाई भूमि पर वृक्षारोपण किया जाना जरूरी है उक्त बातें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय राजमार्ग 30 स्थित गन्ने हर्रो टोलप्लाज़ा परिसर पर वृक्षारोपण के दौरान टोल संचालक ग्रुप के धीरेंद्र शुक्ल ने कही। उन्होंने बताया कि प्रत्येक ब्यक्ति को प्रतिदिन तीन सिलेण्डर आक्सीजन गैस की आवश्यकता होती है जो केवल पौधों से ही मिल सकती है, वृक्ष मानव के जन्म से लेकर मृत्यु तक उपयोग में आते हैं अतः आनेवाली पीढ़ी के सुखमय जीवन के लिए सभी से वृक्ष लगाए जाने का आह्वान किया है। टोल प्रभारी वृजेश पाण्डेय ने कोरोना जैसी महामारी से लोगो के बचने की जरूरत पर जोर देते हुए टोलकर्मियों को मास्क व सेनेटाइजर वितरित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भोजपुरी अभिनेता महेश रुद्र ने किया। उक्त अवसर पर राहुल दुबे,वृजेश पाण्डेय,अशोक तिवारी,अनिल मिश्र, आदि मौजूद रहे।

श्री बाँके बिहारी जी के जल स्नान के साथ महोत्सव का समापन

जाफरगंज, फतेहपुर। अमौली विकाश खण्ड के डिघरूवा गाँव मे सोमवार को बिहारी जी के तीन दिवसीय महोत्सव का समापन हो गयाजिसमे बड़ी संख्या में भक्तगणों ने सोशल डिस्टेंडिंग का भरपूर पालन करते हुए श्री बाँके बिहारी जी की पूजा,अर्चना की और दर्शन प्राप्त किएमहोत्सव के अंतिम दिन श्री बाँके बिहारी जी को जल स्नान कराकर विभिन्न प्रकार के सुगन्धित इत्र लगाकर,पुष्प और मलाओ से सुशोभित कर उनका भव्य श्रृंगार करके उन्हें मन्दिर में विराजमान किया गयाबिहारी जी अनुपम छटा को जिसने भी देखा और निहारा उसके मुख से अनायास ही निकल पड़ा....

ऐसी बूंदन की बलि जाऊं
जिन भीजत मोहन तन लखियो,
नैनन नेह लड़ाऊं
अब कुंजन कूँजी कोयलिया, सावन के गुन गाऊं
टोडर बलि जाऊं या छवि की, अंग निरख सुख पाऊं

भक्ति और श्रद्धा का ऐसा अनूठा संगम कभी कभी ही देखने को मिलता है जो श्री बाँके बिहारी जी की नगरी डिघरूवा में भक्तगणों को देखने को मिलापूरे तीन दिन नगरी भक्ति और श्रद्धा में सराबोर नजर आईअंतिम दिन भक्तगण श्री बाँके बिहारी जी की स्तुति...

मेरी भव-बाधा हरौ,राधा नागरि सोइ
जा तन की झाई परै, स्यामु हरित-दुति होइ

का गुणगान करते हुए अपने आप को रोक नही पाए और भाव विभोर हो उठे

मन्दिर के पुजारी मुन्ना तिवारी ने कहा कि पुलिस प्रशासन और ग्रामीणों ने बिहारी जी के महोत्सव में बढ़चढ़ के सहयोग प्रदान किया हैजिसके लिए मै सभी का हदय से आभार एवं धन्यवाद प्रकट करता हूँप्रभु की कृपा रही तो कोरोना महामारी से देश को जल्द से जल्द निजात मिलेगी,और पूर्व की भांति फिर से बिहारी जी का महोत्सव बड़े ही धूमधाम से मनाया जाएगाभगवान की छठी का कार्यक्रम अभी शेष बचा हुआ है,जो मंगलवार को विधि विधान से सम्पन्न किया जाएगा।

पंडित पुर में लेखपाल कोरोना पॉजीटिव मिलने से हड़कम्प, सील

प्रयागराज। क्षेत्र के गांव पंडित पुर मे लेखपाल के कोरोना पॉजीटिव खबर होने से इलाका में पहुचे क्षेत्रीय लेखपाल दिनेश मिश्रा व ग्राम प्रधान रिंकू त्रिपाठी ने होम क्वारन्टीन कराकर घर को सील करा दिया। बताया जाता है कि रविकांत त्रिपाठी सोरांव तहसील मे लेखपाल के पद पर तैनात है।उन्होंने बताया कि लगातार पॉजीटिव आने वाले लोगो को क्वारन्टीन कराया करते थे।जिसके वजह वह भी चपेट में आये गए।इसकी जानकारी उन्हें तब हुआ जब वह बुखार होने पर उसकी जांच कराया तो रिपोर्ट पॉजीटिव आया जिससे उन्होंने इसकी सूचना हल्का लेखपाल को दिया जिससे सूचना पाकर हल्का लेखपाल दिनेश मिश्रा ग्राम प्रधान रिंकू त्रिपाठी ने पहुच कर होम क्वारन्टीन करा कर पूरे एरिया को सील कर दिया।और कोरोना पॉजीटिव रविकांत त्रिपाठी को होम क्वारन्टीन का बखूबी से पालन करने का सलाह भी दिया।

धौनी जैसा कोई भी नहीं

महेंद्र सिंह धौनी ने अचानक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा करके क्रिकेट प्रेमियों को स्तब्ध कर दिया है. उन्होंने नाटकीय अंदाज में सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया, जिसमें बैक ग्राउंड में गाना चल रहा था- मैं पल दो पल का शायर हूं... और इसके साथ ही उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी. मुकेश का गाया हुआ यह गाना धौनी का पसंदीदा गाना है. कई कार्यक्रमों में उन्होंने स्टेज पर इसकी कुछ लाइनें भी गायी हैं. उन्होंने लिखा- अब तक आपके प्यार और सहयोग के लिए धन्यवाद.

शाम 07.29 मिनट से मुझे रिटायर्ड समझिए, जबकि इससे एक दिन पहले ही वह आइपीएल के लिए अपनी टीम चेन्नई सुपर किंग्स में शामिल होने के लिए विशेष विमान से रांची से चेन्नई गये थे. उसके बाद उन्हें यूएई जाना था. उन्होंने कुछ दिनों पहले कोरोना की जांच करायी थी और तब तक सब कुछ ठीक-ठाक लग रहा था. ऐसा प्रतीत हो रहा था कि वे आइपीएल के बाद जल्द ही अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेंगे, लेकिन उनके दिलों दिमाग में कुछ और ही चल रहा था. धौनी वह क्रिकेटर हैं, जिसे भारतीय क्रिकेट प्रशंसक कभी भुला नहीं पायेंगे. जब भी किसी मैच में भारतीय टीम परेशानी में पड़ेगी, धौनी याद आयेंगे. आप ऐसे खिलाड़ी का नाम गिनाएं, जिसने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कोई शॉट दिया हो. ऐसे गिने-चुने नाम ही हैं. धौनी ने क्रिकेट को हेलीकॉप्टर शॉट दिया और आज दुनिया के सभी दिग्गज खिलाड़ी उसे लगाने की कोशिश करते हैं. मैं पहले भी कहता आया हूं कि अगर धौनी के योगदान की समीक्षा करेंगे, तो पायेंगे कि उनका सबसे बड़ा योगदान यह है कि उन्होंने भारतीय क्रिकेट टीम का चाल, चरित्र और चेहरा बदल दिया है.

पिछले साल धौनी के जन्मदिन से ठीक पहले क्रिकेट की अंतरराष्ट्रीय संस्था आइसीसी ने ट्वीट किया और धौनी की तारीफ में लिखा- एक नाम, जिसने भारतीय क्रिकेट का चेहरा बदल दिया, एक नाम, जो दुनियाभर में लोगों को प्रेरणा दे रहा है. एमएस धौनी सिर्फ एक नाम नहीं है. आइसीसी के वीडियो में आम क्रिकेट फैन के अलावा टीम के साथी खिलाड़ी और कुछ विदेशी क्रिकेटर धौनी के बारे में अपनी राय रख रहे हैं. वीडियो में भारतीय कप्तान विराट कोहली कह रहे हैं कि जब वह पहली बार भारतीय टीम के ड्रेसिंग रूम में गये थे, तब महेंद्र सिंह धौनी उनके कप्तान थे और वह हमेशा उनके कप्तान बने रहेंगे. धौनी कैप्टन कूल कहे जाते हैं. जब वे कप्तान नहीं भी थे, तो वे हमेशा टीम के अघोषित मेंटर की भूमिका में रहते थे. यह सही है कि धौनी जुलाई, 2019 में इंग्लैंड में हुए विश्वकप में भारत की सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के हाथों हार के बाद से क्रिकेट मैदान से बाहर थे, पर ऐसा भी नहीं है कि धौनी कभी खाली बैठे हों. उन्हें भारतीय सेना में लेफ्टिनेंट कर्नल की मानद उपाधि मिली और क्रिकेट से दो महीने का अवकाश लेकर उन्होंने टेरिटोरियल आर्मी के साथ जम्मू-कश्मीर में ड्यूटी निभायी. यह सही है कि धौनी की आक्रामकता में कमी आ गयी थी, लेकिन उनकी लय बरकरार थी. धौनी में गजब का कौशल है. क्रिकेट विशेषज्ञ भी मानते हैं कि धौनी इसलिए महान हैं, क्योंकि वह दबाव में भी सटीक निर्णय ले सकते हैं. उनमें मुश्किल परिस्थितियों में भी खुद को शांत रखने की गजब की क्षमता है. कठिन परिस्थितियों में भी उनके फैसलों ने भारत को अनेक बार जीत दिलायी है. कप्तान के रूप में उनके प्रशंसकों की संख्या अपार है. इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वॉन ने धौनी को सीमित ओवर का इस दौर का सर्वश्रेष्ठ कप्तान कहा है. उनका कहना है कि सीमित ओवरों के मैच में उन्होंने जितने कप्तान देखें हैं, उनमें धौनी सर्वश्रेष्ठ हैं. जिस तरह वह विकेट के पीछे से सभी खिलाड़ियों को प्रेरित करते हैं, नये-नये विचार लाते हैं, दबाव झेलते हैं, वह देखने योग्य है. धौनी को उनकी कप्तानी और विकेटकीपिंग, दोनों के लिए जाना जाता है. कुछ अरसा पहले आइसीसी ने जब ट्वीट कर पूछा था कि दुनिया में सबसे बेहतरीन विकेटकीपर कौन है, तो अधिकांश का जवाब था- महेंद्र सिंह धौनी.

वह विकेट के पीछे से गेंदबाजों को कैसी और कहां गेंद करें, इसकी लगातार हिदायत देते रहते हैं. स्पिनर के वक्त तो उनकी सक्रियता और बढ़ जाती है. धौनी गेंदबाजों को खराब गेदें डालने पर झिड़कते भी हैं. हालांकि विकेट का सारा श्रेय गेंदबाजों को मिलता है और हम अक्सर धौनी के योगदान की अनदेखी कर जाते हैं. यह अनुभव और विशेषता किसी अन्य विकेटकीपर में कहां मिलेगी. जब भी कोई रिव्यू लेने की बात आती है, तो धौनी का निर्णय अंतिम होता है. वनडे मैचों में 100 से अधिक स्टंपिंग करने वाले वह दुनिया के एकमात्र विकेटकीपर हैं.

सम्पादकीय

ग्रामसभा से ही आत्मनिर्भरता

आत्मनिर्भरता आत्मनिर्णय के बिना संभव नहीं है. किसी के अधीन रहते हुए कोई आत्मनिर्भर नहीं बन सकता है. स्वाधीनता आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी ने स्वशासन की बात करते हए अंतिम जन की मुक्ति की बात की. उन्होंने ग्राम पंचायतों को स्वशासन का आधार माना. यह शासन के विकेंद्रीकरण नहीं, बल्कि हर नागरिक को आत्मनिर्णय का अधिकार दिये जाने का विचार था. वर्तमान, आत्मनिर्भरता पर बहस का आधार आर्थिक है. यह सामाजिक और सामूहिक रास्तों से ही मुकम्मल हो सकती है. नब्बे के दशक में विश्व बाजार के लिए दरवाजे खोले गये. इसने विदेशी निवेश को तो बढ़ावा दिया, लेकिन देसी उत्पादकता को नहीं. वैश्विक एवं वैचारिक संदर्भों में ग्रामसभा की महत्ता बनी हुई है. अनुसूचित एवं गैर-अनुसूचित क्षेत्रों में ग्रामसभा की स्थितियां अलग-अलग हैं. गैर-अनुसूचित क्षेत्रों में ग्रामसभा सीधे-सीधे पंचायत के ढांचे के अंतर्गत है. यहां संसदीय राजनीति की सारी गड़बड़ियां हैं. लेकिन, संविधान की पांचवीं एवं छठी अनुसूची के क्षेत्रों यानी आदिवासी क्षेत्रों में ग्रामसभा का स्वरूप अलग है. एसपीटी, सीएनटी- एक्ट विलकिंसन रूल आदि के होने से इनका स्वभाव अलग है. पीइएसए अधिनियम ने इसे और भी विस्तार दिया है. यहां ग्रामसभा का स्वरूप पारंपरिक है और स्वभाव सामूहिक व स्वायत्त है. अनुसूचित क्षेत्रों में ग्रामसभा को निर्णय लेने की संस्था के रूप में गठित किया गया है, न कि ऊपर से प्रेषित शासकीय आदेश का अनुकरण करने के लिए. इन क्षेत्रों में ग्रामसभा को स्थानीय स्तर पर जमीन की बंदोबस्ती, हाट की व्यवस्था, छोटे लघु वनोपज एवं खनन संबंधी अधिकार दिये गये हैं. यहां तक कि विकास संबंधी परियोजनाओं के लिए भी ग्रामसभा से अनापत्ति प्रमाणपत्र हासिल करना अनिवार्य है. इन संवैधानिक स्थितियों के आलोक में आदिवासी क्षेत्रों में ग्रामसभा द्वारा स्थानीय उत्पादकता को बढ़ावा दिया जा सकता है. अब तक ग्रामसभा केवल ऊपर से प्रस्तावित योजनाओं का ही अनुमोदन कर रही है. उसकी अपनी उत्पादकता का आकलन नहीं किया गया है. परिणाम यह है कि ग्रामसभाओं का न अपना कोई फंड है और न ही कोई बजट. सब कुछ नौकरशाहों और सरकारों की दया पर आश्रित है. ऐसे में आत्मनिर्भरता कैसे बढ़ेगी? कोरोना काल में सरकारें मनरेगा आदि योजनाओं से ही ग्रामीण अर्थव्यस्था से जुड़ रही हैं. मनरेगा और दूसरी योजनाएं स्थानीय स्तर पर कोई उत्पादन नहीं कर रही हैं. इन परियोजनाओं में सरकारें फंड तो उपलब्ध करा रही हैं, लेकिन ग्रामसभा अपने लिये कोई फंड सृजित नहीं कर पा रही हैं. जरूरी है स्थानीय उत्पादों की पहचान करना, उत्पादन के नये तरीके विकसित करना और उन्हें बाजार उपलब्ध कराना. इन क्षेत्रों में बड़े पैमाने पर वन उपज सहित, खाद्य सामग्री, कला और शिल्प का उत्पादन होता है. साथ ही कच्चा माल निकलता है. उदाहरण के लिए खाद्य एवं खाद्य प्रसंस्करण से जुड़े उद्योगों को ही देखें, तो चॉकलेट उद्योग का जो अंतरराष्ट्रीय बाजार है, उसके लिए कच्चा माल कहां से आता है? निस्संदेह उन्हीं क्षेत्रों से. फिर सवाल खड़ा होता है कि यहां उत्पादित कच्चा माल उन बाजारों तक कैसे पहुंचता है? स्वाभाविक है कि यह माल बिचौलियों द्वारा ही बाजार तक पहुंचता है. ऐसे ही चॉकलेट और मिठाई से जुड़ा हुआ कच्चा माल चिरौंजी है. स्थानीय बाजार में इसकी कीमत चार सौ रुपये किलोग्राम से ज्यादा नहीं है. उसी तरह महुआ भी स्थानीय बाजार में पचास रुपये प्रति किग्रा से ज्यादा नहीं है. लेकिन, अमेजन पर इन दोनों उत्पादों की कीमत लगभग दो सौ रुपये प्रति सौ ग्राम है, यानी दो हजार रुपये प्रति किग्रा. केवल झारखंड में महुआ का अनुमानित उत्पादन 35 लाख क्विंटल है. यानी स्थानीय बाजार मूल्य के अनुसार पंद्रह अरब रुपये तक का सालाना उत्पादन होता है. इसी तरह इन क्षेत्रों से जो शिल्प तैयार होते हैं, बाजार में उनकी अच्छी मांग है. वैश्विक दुनिया में 'ग्लोबल' और 'देशज' दोनों होने की चाह ने इस मांग को पैदा किया है. लेकिन हमारे पास शिल्प मेला को छोड़ कर दूसरा कोई विकल्प नहीं है. ये सामान्य उदाहरण हैं. जब हम रिसर्च के लिए जमीन पर उतरेंगे, तो पायेंगे कि सैकड़ों ऐसे सामूहिक उत्पाद हैं, जो बिचौलियों के लिए छोड़ दिये गये हैं. आत्मनिर्भरता की राह में दो बड़ी चुनौतियां हैं. पहली श्रेष्ठता बोध की ग्रंथि. दूसरी, बहुराष्ट्रीय पूंजी का दखल. ये दोनों एक-दूसरे से जुड़ी हैं और औपनिवेशिक मानसिकता की सूचक हैं. नीति नियंता इन दोनों से मुक्त नहीं हैं. ब्रांड की चमक और बड़ी पूंजी निवेश के सामने उन्हें जनता की चीजें बहुत मामूली लगती हैं. जबकि, वही आत्मनिर्भरता की बुनियाद हैं. सामाजिक स्वायत्तता के साथ आर्थिक स्वायत्तता हो, तो समाज और मजबूत ही होगा.

संविधान के संकट

आजादी के बाद भारत में संविधान लागू हुआ। इस संविधान में उन सभी रंगों की आकांक्षाओं को समेटा गया जो विभिन्न प्रकार के स्वतंत्रता सेनानियों के मन में थे। इसे तैयार करने में जवाहरलाल नेहरू, सरदार पटेल, संविधान सभा के अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद, कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी आदि अनेक नेताओं ने कड़ी मेहनत की थी। इसे कानूनी शब्दावली देने, दुनियाभर के संविधानों में जो भी अच्छा है उसे समेटने और संविधान को अंतिम-जन का रंग देने में संविधान की ड्राफ्टिंग कमिटी के अध्यक्ष, डॉक्टर भीमराव अंबेडकर ने एक ऐसी भूमिका निभाई जो अमर रहेगी। डॉक्टर अंबेडकर ने गणतन्त्र की खुशी के इस माहौल में ही एक स्पष्ट चेतावनी दे डाली थी कि हमारा यह संविधान चाहे कितना भी अच्छा और पवित्र माना जाये, यदि इसका उपयोग करने वाले शासक ही बुरी मंशा वाले हों तो यह संविधान उनके हाथों में पड़कर नष्ट-भ्रष्ट हो जाएगा। विद्वान अंबेडकर को नियम-कानून की सीमाओं का अच्छी तरह पता था। वे लोकतान्त्रिक चुनाव पद्धति की विद्रूपता को भी झेल चुके थे और समझ चुके थे। ऐसे में उनके द्वारा दी गई यह चेतावनी मात्र सौजन्यता नहीं थी। वे एक वास्तविक खतरे की ओर देश का ध्यान खींच रहे थे। आज जो कुछ भी हम देख रहे हैं, उसका ट्रेलर कोई 45 वर्ष पहले इन्दिरा जी के जमाने में देख चुके हैं। वो तो जयप्रकाश नारायण की नैतिक शक्ति थी जिसने जनता को जगाया और तानाशाही पराजित हुई। एक पूरी फिल्म की स्क्रिप्ट ट्रेलर बन कर रह गई। आज तो स्क्रिप्ट तैयार है। रिहर्सल हो चुका है। फिल्म बननी शुरू हो चुकी है। कोई जयप्रकाश नारायण नहीं है। फिर भी जनता तो जागेगी ही, भले फिल्म कुछ लम्बी चल जाये। कर्नाटक, गोवा या मध्यप्रदेश और आज राजस्थान में जो कुछ चल रहा है वह सब समेटते हुए देखें तो दृश्य यह है कि सत्ता-हड़प की ओछी राजनीति के खुले खेल में शासक नेता बिना किसी शर्म के नंगे होकर कूद पड़े हैं और इसमें न्यायालय भी शामिल हुआ दीखता है। ये संविधान को वस्त्र-दर-वस्त्र, निर्वस्त्र कर रहे हैं। विपक्ष हत-बल है। कांग्रेस कुछ सुगबुगाती है तो उसे आपातकाल का वही आधी शताब्दी पुराना आईना दिखा दिया जाता है और वह दब जाती है। यह दबना भी सिर्फ इसलिए कि उसने जनता से अब तक उस संवैधानिक अपराध की आधी-अधूरी माफी ही मांगी है। उस समय की कांग्रेस केवल आपातकाल की अपराधी नहीं थी, बल्कि उसका ज्यादा बड़ा अपराध था, जेपी के श्सम्पूर्ण क्रांतिश् आंदोलन की मुखालिफत करना। अन्य दलों की तरह ही कांग्रेस भी उस आंदोलन को विभिन्न दलों के गठजोड़ का आंदोलन मान बैठी है। इस नासमझी में से उसे निकलना होगा। तब वह फासिस्टों द्वारा चलाई जा रही आपातकाल की पुरानी छड़ी की मार से दबेगी नहीं। क्योंकि तब संविधान संरक्षकों की उसकी सूची में नेहरू के साथ जयप्रकाश का नाम भी रहेगा। आज जो कुछ भी हो रहा है उसे नासमझी में यह न समझें कि यह इस मुख्यमंत्री या उस मुख्यमंत्री पर हमला है, कांग्रेस पर हमला है या नक्सलवाद की हिंसा पर हमला है। यह सीधा हमला है, उस भारत पर जो स्वतन्त्रता संग्राम द्वारा निर्धारित दिशा की ओर बढ़ना चाहता है। संविधान की जिस डोर को पकड़कर देश सर्व-समावेशी संपन्नता, समता और स्वतन्त्रता की ओर बढ़ सकता है, उस डोर को ही, आज की सत्ता छिन्न-भिन्न कर देने की उतावली में है। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए वह इस देश पर आई हर आपदा को अवसर में बदलने की जी-तोड़ कोशिश कर रही है। आर्थिक मंदी की आपदा को गहरा बनाने में इस सरकार की अपनी नीतियां कम जिम्मेदार नहीं हैं। गलत आर्थिक नीतियों या लुटेरे-भगोड़ों की तो अलग दास्तान है ही, इस सरकार ने आपदा को अवसर में बदलते हुए, असंवैधानिक भ्रष्टाचार की नीतियों को भी संविधान की पुस्तक में शामिल कर दिया है। सरकार बनाने वाली पार्टियां भी अब कानूनन विदेशों से धन प्राप्त कर सकती हैं, लेकिन औरों की तरह उन्हें इसका कोई हिसाब नहीं देना होता। चुनाव के लिए ये पार्टियां कंपनियों से अरबों रुपये प्राप्त कर सकती हैं, लेकिन इसका इन्हें कानूनन कोई लेखा-जोखा नहीं रखना है। कंपनियां बिना किसी लेखा-जोखा के करोड़ों रुपये प्राप्त कर सकें, इसके लिए चुनावी बॉन्ड का भ्रष्ट रास्ता निकाला गया है। पीएम केयर्स फंड तो बनाया ही इसलिए गया है कि प्रधानमंत्री जनता के पैसे का मनमाना उपयोग कर सकें। इसे इकट्ठा करने में सरकार के आदेशों का धड़ल्ले से उपयोग हुआ है जिसका अनुपालन सरकार के कर्मचारियों को मजबूरन करना पड़ा है। इस राशि को सूचना के अधिकार से बाहर रखा गया है। सरकार द्वारा इसकी ऑडिट नहीं कराई जा सकती। ये सब लाखों, करोड़ों रुपयों के भ्रष्टाचार का कानूनी रास्ता है। भारत के संविधान का यह खुला मखौल देश को आर्थिक अराजकता के अंधकार में फेंक देने जैसा है। कोरोना वायरस की विपदा तो मानो दुनिया भर के तानाशाहों और फासिस्टों के लिए एक अवसर के रूप में ही आई हैं। रूस में राष्ट्रपति पुतिन ने बड़े ही लोकतान्त्रिक तरीके से अपना कार्यकाल 2036 तक बढ़वा लिया है। उधर चीन ने भी संविधान के अनुसार, हांगकांग में ऐसे कानून बना लिए हैं कि सरकार अपने विरोधियों को आजीवन कारावास में रख सकती है या फांसी भी दे सकती है। हमारे भारत में भी कोरोना की इस अक्षरशरू विपदा की घड़ी का फासिस्ट सत्ता एक अवसर के रूप में उपयोग कर रही है। यूएपीए (अनलॉफुल एक्टिविटीज प्रिवेंशन एक्ट -2019), एनएसए (नेशनल सिक्योरिटी एक्ट) और श्आईपीसीश् (इंडियन पीनल कोड) की धारा 124-ए (जो देशवासियों पर राष्ट्रद्रोह का आरोप लगाती है), जैसे कानूनों का सरकार अपने विरोधियों को दबाने के लिए धड़ल्ले से दुरुपयोग कर रही है। ये कानून ऐसे हैं कि न्यायालय इनमें दखल नहीं दे सकता। यह सरकार की इच्छा पर है कि उसका विरोधी कब तक जेल में सड़े। संविधान की आत्मा के विरोधी इन क़ानूनों के कारण गर्भवती लड़कियां तक जेल में डाली गई। सरकार की नजर में ये हिन्दू और मुसलमान लड़कियां भ्रष्ट और देशद्रोही हैं। बूढ़े हो चुके अनेक विद्वान आज सरकार द्वारा जेल में डाले गए हैं, जिनमें महिलाएं भी हैं और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त विद्वान भी। इन सभी पर सरकार ने हिंसा फैलाने का आरोप लगाया हुआ है। वास्तविकता यह है कि ये समाज में फैली नग्न हिंसा की जड़ में जो छिपी हिंसा है उनका अध्ययन कर समाज के सामने रखते हैं। विडम्बना यह है कि स्वयं हिंसा में विश्वास रखने वाली सरकार हिंसा फैलाने का ही आरोप लगाकर इन्हें जेल में बंद किए हुए है। अनेक बार निर्दोष सिद्ध होकर जेल से छूटे 80 वर्ष के कवि वरबरा राव तो दो वर्षों से ऐसे कानून के तहत जेल में बंद हैं कि वे न्यायालय का दरवाजा भी खटखटा नहीं सकते। अभी कोरोना ग्रस्त हुए तो भी उन्हें छोड़ा नहीं गया। यह सब एक प्रकार से प्रशासनिक एनकाउंटर हैं। जैसे पुलिस के द्वारा किए गए सही या गलत एनकाउंटर की न्यायिक जांच होती रही है, वैसे ही ऐसी प्रशासनिक कार्रवाई की भी न्यायिक जांच का और गलत पाये जाने पर जिम्मेदार को उचित सजा देने का प्रावधान किया जाना चाहिए। आपदा को अवसर में बदलने का मुहावरा कोई पचास साल पहले सर्वोदय दर्शन के विद्वान दादा धर्माधिकारी से सुना था।

राजस्थान:विश्वासमत प्राप्त करने का मतलब

राजस्थान में कांग्रेस के आन्तरिक संघर्षों की परिणिति इस रूप में हुई है कि मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने विश्वास मत जीतकर आगामी 6 महीने के लिए यह संदेश दिया है कि अब वे अजेय और अमर हैं। ऐसा केन्द्रीय नेतृत्व के प्रति सचिन पायलट के समर्पण के फलस्वरूप ही संभव हो पाया जिसमें महासचिव प्रियंका गांधी की भी भूमिका स्वीकार की जा रही है। सोनिया गांधी तो संगठन की अध्यक्ष ही नहीं, परिवार की मां भी हैं। इसलिए वे दोनों को समझती हैं, उनके पास लम्बे समय का सांगठनिक अनुभव भी रहा है। उन्होंने भी इस फैसले पर सहमति जता दी जिसके अनुसार अब आन्तरिक विरोधों के समाधान के लिए तीन सदस्यों की एक समिति का निर्माण होना है। प्रतीक्षा यही हो रही थी कि सब-कुछ कायदे से निपट जाय, उसके बाद ही यह प्रक्रिया आरम्भ होनी चाहिए। 14 अगस्त को राज्यपाल ने जिस दिन विधानसभा की बैठक बुलाने की अनुमति दी थी, उसके पहले ही दिन इस कार्य में विपक्षी दल भाजपा भी इस रूप में सहयोगी हुआ क्योंकि उसने कहा कि सत्र के आरम्भ में सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने का उसका इरादा नहीं है, लेकिन 199 में से केवल 74 सदस्यों के बल पर वे अविश्वास प्रस्ताव का दिखावा मात्र तो कर सकते थे, लेकिन संदेश तो यह देना था कि यह सत्तारूढ़ और विपक्ष की मिली भगत नहीं, बल्कि वास्तविकता पर आधारित हैं। इसलिए विश्वास प्रस्ताव पर चर्चा में भाजपा के चार सदस्यों के जो भाषण हुए उसमें यह नहीं कहा जा सकता कि वे सत्तारूढ़ दल की परेशानियों को बढ़ाने वाले थे, बल्कि में औपचारिकता का निर्वाह अधिक हुआ। केवल यह हवाला तो दिया गया कि कांग्रेस अपने अन्तर्विरोधों से ग्रस्त होकर 35 दिनों से जो लक्ष्य प्राप्त करना चाहती थी, वह वास्तव में हमारी देन नहीं, बल्कि उसी के अपने कारणों की परिणति है। यह स्थिति किसी भी दल के लिए राजनैतिक रूप से बड़ी उपयोगी नहीं मानी जा सकती। लेकिन सत्तारूढ़ मुख्यमंत्री द्वारा अपने अन्तर्विरोधियों के लिए खास करके उसके नेता सचिन पायलट के विरूद्ध जिस शब्दावली का इस्तेमाल किया गया था, अवसर आने पर उसकी काट और विरोध करने में पायलट नहीं चूके। लेकिन फिर भी समय की आवश्यकता को देखते हुए उन्होंने कहा कि मैं कवच पहनकर भाला लेकर अपनी पार्टी का बचाव करने के लिए खड़ा हूं, इसमें किसी तरीके की चूक नहीं होगी। दूसरी ओर मुख्यमंत्री ने भी कहा कि वे 19 विरोधी सदस्यों की भूमिकाओं के विपरीत भी बहुमत साबित करने पर तो उतारू थे, ही यह बात दूसरी है कि इस जीत का आनन्द ही कुछ और होगा। इस पूरे प्रकरण में जिस कटुतापूर्ण व्यवहारों का प्रदर्शन दोनों ओर से हो चुका था सत्र के दौरान ऐसी शब्दावली का प्रयोग करके कि यह अस्थायी था, जिसके प्रमाण आज भी दिखाई दे रहे हैं क्योंकि अपनों के बल पर ही यह बहुमत प्राप्त हो रहा है उसकी परिणति हम कुछ और समझते हैं। हममें कुछ कमियां भी थीं, लेकिन उनका निदान डाक्टर के रूप में पार्टी नेतृत्व ने किया है जिसमें वे सफल भी हुए हैं। इस प्रकार यह विश्वास और अविश्वास प्रस्ताव का झमेला लम्बे समय तक विधान सभा की चर्चाओं वाला नहीं बना और स्थिति ऐसी आई कि विश्वास और अविश्वास प्रस्ताव के मत विभाजन की मांग का मौका ही नहीं आया, इसे विपक्ष ने भी मान लिया कि सरकार बहुमत में हैं और सदन के भीतर भी वह पूर्णरूप से प्रतिपादित हो रहा है। अब अन्त में यह औपचारिकता के रूप में सम्पन्न हो गया। राजस्थान के राज्यपाल इस बैठक के आग्रह को जिस प्रकार टालने पर उतारू थे, वह तो उन संवैधानिक व्यवस्थाओं के भी विपरीत था। क्योंकि सदन का सत्र बुलाना सरकार के दायित्वों के अन्तर्गत आता है। चूंकि सदन का सत्रावसान घोषित हो गया था, इसलिए सत्र आरम्भ करने की आवश्यकता थी लेकिन इसके लिए भी मुख्यमंत्री को बराबर चिट्ठियां लिखनी पड़ीं, तब कहीं जाकर दो सप्ताह बाद 14 अगस्त की तिथि ही मिल पाई। इससे तो यही लगता था कि राज्यपाल जैसे संवैधानिक प्रमुख पदों पर आसीन व्यक्ति भी पार्टी हितों के बजाय संविधान को समर्पित नहीं दिखते है क्योंकि पद की शपथ लेने के दिन से ही संवैधानिक प्रमुख को क्षुद्र राजनीति से परे माना जाता है।

राज्य की व्यवस्था संविधान के अनुसार संचालित हो उसका दायित्व तो उसकी देखभाल करना है किसी के राजनैतिक हितों या स्वार्थों की पूर्ति से उसे परे होना चाहिए। लेकिन कठिनाई यही है कि केवल इसके पहले पूर्ववर्ती सरकारों में भी विभिन्न राज्यपालों की भूमिकाओं पर जब विचार होता है तब वे खरे नहीं उतरते जिससे निष्कर्ष यही निकलता है कि यह संवैधानिक पद भी वास्तव में पार्टी हितों की रक्षा के लिए ही होते हैं। इसलिए दल विहीन होने की अपेक्षा निरर्थक हो जाती है, वे सरकार के विपक्ष के रूप में ही उभरते हैं। जब अलग-अलग राजनैतिक दलों का मामला आता है तब यह स्थिति और स्पष्ट हो जाती हैं। राजस्थान में कांग्रेस का आन्तरिक विवाद तो समाप्त हो गया लेकिन इस दौरान जो कटुताएं उभरी थी, उनका समाधान कैसे हो? यह अभी भी उपस्थित दिखती है। यह बात दूसरी है कि समय और आवश्यकताओं के अनुरूप दोनों गुट अपनी रणनीतियों और भूमिकाओं में परिवर्तन करके सदन में उपस्थित थे। लेकिन राजनैतिक दलों में अन्तरर्विरोध की प्रवृत्तियां और क्षुद्र राजनीति केवल किसी एक दल तक ही सीमित नहीं है, बल्कि यह सर्वव्यापी दिखती है। यही कारण है कि सारे दल अन्तर्विरोधों के कारण विभाजित भी होते हैं, उन्हें रोका नहीं जा सका है, लेकिन भावी राजनीति तो विद्यमान ही रहती है और इन प्रवृत्तियों का परिणाम ही है कि कम से कम 6 राज्यों में दलीय स्थितियों की वास्तविकताओं के विपरीत केन्द्र में सत्तारूढ़ दल की राजनैतिक आवश्यकताओं के अनुसार परिवर्तन हुए हैं और इन पार्टियों की उपलब्धियों के रूप में गिनती है, जिसे रुकना चाहिए। राजस्थान में भी पूर्व मुख्यमंत्री का समूह सरकार गिराने का पक्षधर नहीं था क्योंकि पूर्व मुख्यमंत्री का यह मानना था कि इससे लाभ उन्हें नहीं बल्कि नये विरोधी विद्रोहियों को ही मिलेगा जो मूल राजनैतिक परम्परा के अनुसार हमारे विरोधी ही रहे हैं।

ऐसी स्थिति में उन्हें सत्ता तक पहुंचाने की रणनीति दीर्घकालिक रूप में सकारात्मक और उपयोगी नहीं होती। इसलिए पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया सरकार गिराओ अभियान का खुलेआम नेतृत्व करते हुए नहीं दिखीं। इसी प्रकार अब कांग्रेस नेतृत्व में अन्तर्विरोध के मूल कारणों की खोज और उन्हें समाप्त करने के लिए जो निश्चय किया है क्या वह तीन सदस्यों की रिपोर्ट को दोनों पक्ष स्वीकार कर लेंगे। लेकिन विधान सभा सत्र बुलाने के साथ जो स्थितियां पैदा हुई थी उसके अनुसार सचिन पायलट का गुट जो अन्त तक भाजपा शासित हरियाणा के सरकार का कृपापात्र बना रहा सरकार भी इसके संरक्षक की भूमिका निभा रही थी उसका यह कहना कि यह निजी होटल तो पैसे और किराये पर निर्भर होते हैं इसलिए इसमें सरकार को नहीं जोड़ा जाना चाहिए। लेकिन राजस्थान से जयपुर के बजाय सदस्यों को जैसलमेर के होटल ले जाया गया उससे लगा कि राजनीति में अनुचित साधनों का प्रयोग इसलिए है क्योंकि उनका राजनैतिक लाभ पूंजीपतियों के कालेधन पर ही आधारित होता है और इसमें सत्तारूढ़ दलों को ही सर्वाधिक लाभ मिलता है। यही कारण है कि अशोक गहलोत सरकार और सत्ता में रहकर भी केन्द्र के प्रभावों से त्रस्त थे। इसलिए उन्हें होटल बदलने की जरूरत पड़ी, इस रूप में स्वस्थ राजनीति के लिए इसे बदलना ही चाहिए क्योंकि कालेधन पर आधारित राजनीति कभी भी लोकसम्मत धारणाओं का समर्थक नहीं होती। लेकिन राजनीति और कालाधन एक दूसरे के सहयोगी ही दिखते हैं। इसमें सत्तारूढ़ और विपक्ष के रूप में यह नहीं देखा जा सकता कि इनका भावी प्रयोग लोकतंत्र को वास्तव में मजबूत करने की दिशा में उठाया गया कदम है, यह स्थितियां बदलनी चाहिए। लोकतंत्र काली पूंजी पर आधारित रहकर वास्तव में अपने घोषित उद्देश्यों की पूर्ति नहीं कर सकता।

गोमती मित्र रखते धाम का ध्यान, करते रहते नियमित श्रमदान

सुल्तानपुर एजेंसी।

गोमती मित्र मंडल का एकमात्र ध्येय है,सीता कुंड धाम की पौराणिकता बहाल रखना साथ ही वहां आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी प्रकार की दिक्कत ना होने देना। यही वजह है कि मौसम कितना भी प्रतिकूल हो गोमती मित्रों का श्रमदान कभी भी विराम नहीं लेता,रविवार साप्ताहिक श्रमदान होता है। जिसमें सभी गोमती मित्र इकट्ठे होकर के पूरे तट परिसर,धाम परिसर एवं सीता उपवन की साफ सफाई करते हैं,, साथ ही सायंकालीन होने वाली मां गोमती की महा आरती की तैयारियां की जाती है।रविवार 16 अगस्त को भी प्रातः 06रू00 बजे से शुरू हुआ श्रमदान अनवरत 8रू00 बजे तक चलता रहा।मीडिया प्रभारी रमेश माहेश्वरी ने बताया कि इस वक्त नदी का जल स्तर भी बढ़ा हुआ है, उसके लिए भी गोमती मित्र व्यवस्था करने में लगे हुए हैं कि किसी को कोई दिक्कत ना होने पावे साथ ही प्रदेश अध्यक्ष मदन सिंह ने प्रशासन से भी तैयारियों का अनुरोध किया है। श्रमदान में रतन कसौंधन,अजय प्रताप सिंह,अजीत शर्मा,दाऊजी,सौरभ,आमोद,अर्जुन, अरुण आदि उपस्थित रहे।

महादेव के नेतृत्व में बरुई में मनाई गई वीरांगना फूलन की जयंती

सुल्तानपुर एजेंसी।

विकास खण्ड जयसिंहपुर अन्तर्गत बरुई गांव में मोस्ट कल्याण संस्थान के तत्वाधान में महादेव निषाद (मनीष) के नेतृत्व में ष्सामाजिक न्याय की प्रतीक वीरांगना फूलन देवी की जयंती के साथ-साथ मोस्ट बहुजन जोड़ो कार्यक्रम का आयोजन किया गया मोस्ट कल्याण संस्थान के निदेशक शिक्षक श्यामलाल निषाद गुरुजी ने कहा कि कदम-कदम पर तिरस्कार और अपमान की जिंदगी जीने वाले मोस्ट बहुजन समाज को वीरांगना फूलन देवी के संघर्ष और दर्शन से परिचित कराकर न बिकने वाला-न झुकने वाला संघर्षशील और स्वाभिमानी समाज बनाया जाएगा। डिप्टी डायरेक्टर बौद्धाचार्य राजकुमार गौतम ने मोस्ट बहुजन से वीरांगना फूलन देवी की जयकार और जयंती मनाने की अपील की।मोस्ट जिला संयोजक जीशान अहमद ने कहा कि वीरांगना फूलन देवी का जीवन संघर्ष मोस्ट समाज के लिए अनुकरणीय है।

पत्थर खदानों पर बाउड्रीवाल व सी0सी0कैमरा न होने पर होगी कडी कार्यवाही

ओवर लोडिंग व बिना एम0एम0-11 के खनिजों के परिवहन पर रोक लागने का निर्देश

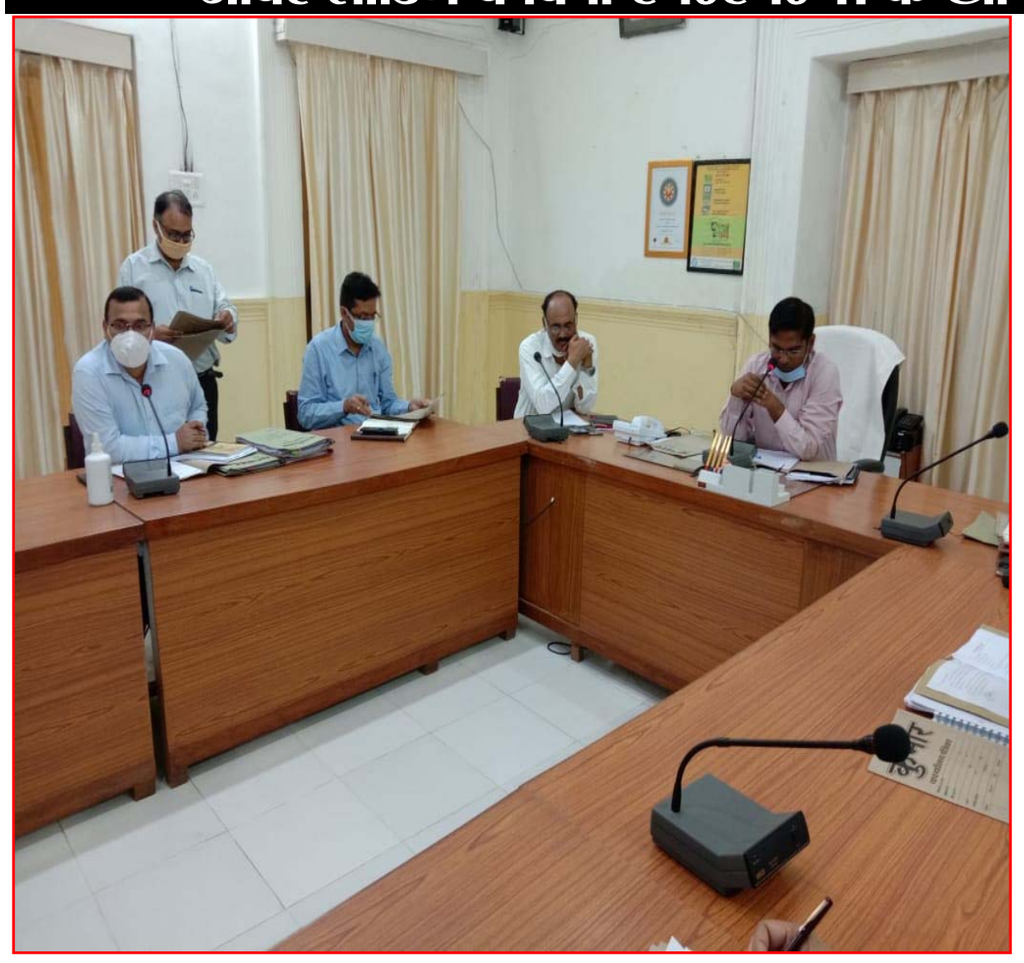

मीरजापुर एजेंसी।

जिलाधिकारी श्री सुशील कुमार पटेल की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला खनिज समिति की बैठक सम्पन्न हुयी। बैठक में जिलाधिकारी ने जिला अधिकारी व बैठक में उपस्थित खनिज व्यवसायियों के पदाधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि किसी भी खनिज स्थल पर यदि बिना बाउड्रीवाल और सी0सी0 कैमरा के खनिज करते हुये पाया जाता है तो उसके विरूद्ध कडी से कार्यवाही की जायेगी। उन्होंने कहा कि ओवर लोडिंग तथा बिना परिवहन प्रपत्र एम0एम0-11 के खनिजों के परिवहन पर पूर्णतः रोक लगायी जाये यदि निरीक्षण के दौरान ऐसा कहीं पाया जाता है सम्बंधित वाहन के साथ-साथ जहां से रवन्ना जारी किया गया है उसके भी विरूद्ध कार्यवाही की जाये। इसी प्रकार यह भी कहा कि 100 धन मीटर से कम उप खनिज के भण्डारण के लिये केवल पोर्टल पर रजिस्ट्रेषन कराना कराना हो उसके लिये किसी परमिट की आवश्यकता नहीं होगी, परन्तु 100 घन मीटर से ज्यादा खनिजों के भण्डारण हेतु अनुज्ञप्ति को परमिट लेना अनिवार्य होगा। खनिजों के परिवहन हेतु विभागीय पोर्टल पर वाहनों के पंजीकरण अवश्य करा लें। बैठक में यह भी बताया गया कि भूमिधरी कृषिकीय ऐसे भूमि जिस पर बाढ आदि के कारण खेतों में बालू आ जाता है और उस भूमि पर कृषक के द्वारा विगत 05 वर्ष से खेती की जा रही है तो बालू को निकालने के लिये उस किसान के नाम से परमिट जारी किया जायेगा। उपखनिजों के परिवहन की सुगमता हेतु वाहनों पर माइन टैग लगाये जाने का भी निर्देश दिया गया। इस अवसर पर खनिज क्षेत्र में खनिज से प्रभावित गांवों/क्षेत्रों में खनिज मद से 25 हैण्डपम्प तथा भगवती देई स्कूल में वाउड्रीवाल का भी कार्य कराया जा रहा है इसके अलावा 10 अन्य स्कूलोकं में में वाउड्रीवाल, पेयजल, एम0ढी0एम0 में बच्चों के खाना खाने के लिये शेड, हैण्डवाश सहित अन्य कार्य कराये जाने पर विचार किया गया। इस अवसर पर प्रभागीय वनाधिकारी, अपर जिलाधिकारी यू0पी0 सिंह, जिला खान अधिकारी, ए0आर0टी0ओ0, के अलावा अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे। जिला मजिस्ट्रेट श्री सुशील कुमार पटले ने वर्तमान में नोबेल कोरोना वायरस के संक्रमण के उपायों के रोकथाम हेतु सोशल डिस्टेसिंग एवं अन्य उपाय लागू करने करने हेतु जनपद में धारा-144 लागू कर दिया गया है। जिला मजिस्ट्रेट ने अपने आदेश में कहा है कि यह आदेश सम्पूर्ण मीरजापुर क्षेत्र में दिनांक 17 अगस्त 2020 से लोगू होकर 16 सितम्बर 2020 तक प्रभावी रहेगा इस आदेश मे वर्णित प्रतिबन्धें की अवहेलना पर भारतीय दण्डविधान की धारा-188 के अन्तर्गत् इण्डनीय अपराध होगा।

क्रिकेट समाचार

यह पूर्व भारतीय कप्तान बोला, जोड़ीदार नहीं रहा, अब कैसे मुस्कुराऊं

नई दिल्ली, एजेंसी।

पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर ने सबसे लंबे समय तक अपने सलामी जोड़ीदार रहे चेतन चौहान को श्रद्धांजलि दी, जिनका कोविड-19 से जुड़ी समस्याओं के कारण निधन हो गया। सुनील गावस्कर ने कहा कि 'आजा, आजा, गले मिल, आखिर हम अपने जीवन के अनिवार्य ओवर खेल रहे हैं।' पिछले दो या तीन साल में हम जब भी मिलते थे तो मेरा सलामी जोड़ीदार चेतन चौहान इसी तरह अभिवादन करता था। गावस्कर कहते हैं कि ये मुलाकातें उसके पसंदीदा फिरोजशाह कोटला मैदान पर होती थी, जहां वह पिच तैयार कराने का प्रभारी था। जब हम गले मिलते थे तो मैं उसे कहता था 'नहीं, नहीं हमें एक और शतकीय साझेदारी करनी है।' और वह हंसता था और फिर कहता था 'अरे बाबा, तुम शतक बनाते थे, मैं नहीं।

गावस्कर ने कहा कि. मैंने कभी अपने बुरे सपने में भी नहीं सोचा था कि जीवन में अनिवार्य ओवरों को लेकर उसके शब्द इतनी जल्दी सच हो जाएंगे। यह विश्वास ही नहीं हो रहा कि जब अगली बार मैं दिल्ली जाऊंगा तो उसकी हंसी और मजाकिया छींटाकशी नहीं होगी। गावस्कर ने कहा कि वह कमाल का मजाकिया इनसान था। जब हम खेल के सबसे खतरनाक गेंदबाजों का सामना करने उतरते थे तो उसका पसंदीदा गाना होता था- मुस्कुरा लाड़ले मुस्कुरा. यह चुनौतियों का सामना करते हुए तनाव को कम करने का उसका तरीका था। अब मेरा जोड़ीदार जीवित नहीं है तो मैं कैसे 'मुस्कुरा' सकता हूं। भगवान तुम्हारी आत्म को शांति दे, जोड़ीदार।

टीम इंडिया के मुख्य कोच रवि शास्त्री बोले, स्टंपिंग करने में जेबकरते से भी तेज थे एमएस धोनी

नई दिल्ली, एजेंसी।

एमएस धोनी के फुर्तीली स्टंपिंग और थ्रो पर बिना देखे स्टंप्स पर सटीक निशाने का कायल भला कौन नहीं था। विकेट के पीछे खड़े रहने वाले धोनी पलक झपकते ही विरोधी टीम का विकेट उड़ाने में माहिर थे। टीम इंडिया के मुख्य कोच रवि शास्त्री भी उनके इस स्टाइल के मुरीद हैं। धोनी की रिटायरमेंट के बाद रवि शास्त्री ने उनके खेल की जमकर प्रशंसा की है। शास्त्री ने कहा, बतौर विकेटकीपर वह नेचुरल नहीं थे, लेकिन विरोधी टीम के लिए वह नरक की तरह प्रभावी थे। उन्होंने जो प्रभाव छोड़ा उसे देखिए। मेरे लिए उनकी स्टंपिंग और उनके रन आउट मायने रखते हैं। उनके हाथ बहुत तेज चलते हैं, किसी जेबकतरे से भी ज्यादा तेज। बल्लेबाज को यह अहसास भी नहीं हो पाता कि धोनी ने उसकी गिल्लियां बिखेर दी हैं।

धोनी का संन्यास भारतीय क्रिकेट में एक युग का अंत है। उनके नंबर इस बात की गवाही देते हैं।

बस मुझे ऐसा लगा, इंटरनेशनल क्रिकेट को अलविदा कहने के बाद साथियों से बोले एमएस धोनी

नई दिल्ली एजेंसी।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में करीब 16 साल का वक्त बिताने के बाद आखिर महेंद्र सिंह धोनी ने संन्यास लेने का ऐलान कर दिया। इसकी अटकलें हालांकि काफी वक्त से थीं, लेकिन धोनी खामोश थे। हमेशा की तरह। पर शनिवार को स्वतंत्रता दिवस की शाम को उन्होंने इंस्टाग्राम पर इसकी घोषणा कर दी। पांच महीने बाद चेन्नई सुपर किंग्स के साथ पहला प्रैक्टिस सेशन खत्म करने के बाद धोनी ने इंस्टाग्राम पर लिखा, आप सब लोगों के प्यार और समर्थन के लिए बहुत धन्यवाद, आज सात बजकर 29 से मुझे रिटायर समझा जाए।

फिल्म 'कभी-कभी' में साहिर लुधियानवी का लिखा और मुकेश की आवाज में गाया गीत- मैं पल दो पल का शायर हूं, बैकग्राउंड में बज रहा था। लेकिन यह उस बात की पुष्टि नहीं करते कि कैसे रांची से निकला लंबे बालों वाला लड़के ने अपनी कप्तानी, तनाव झेलने की अपनी खूबी और शांत स्वभाव के चलते भारतीय क्रिकेट को नई बुलंदियों तक पहुंचाएगा। जैसे ही खबर एमए चिदंबरम में फैली चेन्नै सुपर किंग्स के ड्रेसिंग रूम में मौजूद लोग दौड़कर उनके पास बात करने पहुंचे।

धोनी ने उन्हें कुछ जवाब नहीं दिया और बस इंस्टाग्राम चेक करने को कहा। अपने फैसले के बारे में माही ने बस इतने शब्द कहे, बस मुझे ऐसा लगा। और इसके बाद वह सोमवार की नेट प्रैक्टिस के बारे में प्लानिंग करने में जुट गए। कुछ चीजें कभी नहीं बदलतीं।

आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स के कोच रिकी पोंटिंग बोले, धोनी को आईपीएल में जीतने से रोकने का तरीका ढूंढना होगा

नई दिल्ली, ऑस्ट्रेलिया के सबसे सफल कप्तान और आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स टीम के कोच रिकी पोंटिंग ने भी भारत के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर महेंद्र सिंह धोनी के संन्यास पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि उन्हें अब भी धोनी को जीतने से रोकने का तरीका ढूंढना पड़ेगा जो आईपीएल में चेन्नई सुपरकिंग्स टीम के कप्तान हैं। पोंटिंग ने ट्वीट कर कहा, एमएस धोनी के साथ खेले सभी मैचों का लुत्फ उठाया, लेकिन अब भी उनको जीतने से रोकने का तरीका ढूंढना पड़ेगा क्योंकि उनकी दिल्ली टीम और चेन्नई टीम के बीच आईपीएल में कुछ ही हफ्तों बाद मुकाबले होंगे। वहीं क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने अपने ट्वीटर हैंडल पर धोनी की शानदार पारियों का एक वीडियो साझा किया है। सीए ने वीडियो साझा करते हुए लिखा, धोनी के शानदार करियर का जश्न मनाने के लिए हमने ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर भारतीय लीजेंड के बल्ले से निकली कुछ बेहतरीन पारियों को संकलित किया है।

डिया के उपकप्तान रोहित शर्मा बोले, नीली जर्सी में मिस करेंगे, पीली में 19 को मिलते हैं

नई दिल्ली, महेंद्र सिंह धोनी ने शनिवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया। धोनी के कुछ देर बाद ही सुरेश रैना ने भी इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास लेने का फैसला किया। धोनी के संन्यास लेने पर टीम इंडिया के लिमिटेड ओवर के उपकप्तान रोहित शर्मा ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। रोहित ने कहा, भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रभावशाली इनसानों में शामिल। हम बेशक उन्हें नीली जर्सी में मिस करेंगे, लेकिन पीली में वे दिखेंगे ही।

तो 19 को टॉस पर मिलते हैं एमएस धोनी। वहीं सुरेश रैना के लिए रोहित ने लिखा, हैरानी भरा फैसला लेकिन जब आपको ऐसा लगता है तो आपको ऐसा लगता है। अच्छा करियर रहा तुम्हारा भाई, तुम्हारा रिटायरमेंट अच्छा हो। मुझे अब भी याद है जब हम टीम में आए थे। भविष्य के लिए शुभकामनाएं।

यह दिग्गज बोला, इंग्लैंड टीम को पाकिस्तान का मानना चाहिए आभार

साउथम्पटन एजेंसी।

पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज वसीम अकरम ने कहा है कि कोरोना वायरस महामारी के बीच ब्रिटेन आने के लिए इंग्लैंड को अजहर अली और उनकी टीम का आभारी होना चाहिए और उन्हें इसके बदले 2022 में पाकिस्तान का दौरा करना चाहिए। वैश्विक स्वास्थ्य संकट के बावजूद वेस्टइंडीज और पाकिस्तान ने इंग्लैंड का दौरा करने का फैसला किया, जिससे इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) भारी वित्तीय नुकसान से बच गया। इंग्लैंड ने 2005-06 से पाकिस्तान का दौरा नहीं किया है। टीम 2009 में श्रीलंकाई टीम बस पर आतंकी हमले के बाद सुरक्षा कारणों से पाकिस्तान नहीं आई है। जो रूट और उनकी टीम को हालांकि 2022 में तीन टेस्ट और पांच एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैचों के लिए पाकिस्तान का दौरा करना है। वसीम ने स्काई स्पोर्ट्स क्रिकेट से कहा कि 'टीम के यहां आने के कारण आप लोगों को पाकिस्तान क्रिकेट का आभारी होना चाहिए और देश का उससे भी अधिक। वे यहां अढ़ाई महीने से अधिक समय तक जैविक रूप से सुरक्षित वातावरण में रहेंगे।' उन्होंने कहा कि 'इसलिए अगर सब कुछ सही रहा तो इंग्लैंड को पाकिस्तान का दौरा करना चाहिए। मैं वादा करता हूं कि मैदान के अंदर और बाहर उनका पूरा ख्याल रखा जाएगा और प्रत्येक मैच के स्टेडियम खचाखच भरा होगा। इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) में हिस्सा लिया है और अकरम को उम्मीद है कि इससे सुरक्षा चिंताओं को दूर करने में मदद मिलेगी।

पूर्व क्रिकेटर चेतन चौहान का कोरोना से निधन, मेदांता हॉस्पिटल में कराया गया था भर्ती

उत्तर प्रदेश में कोरोना के बढ़ते कहर के बीच योगी आदित्यनाथ सरकार में मंत्री और पूर्व क्रिकेटर चेतन चौहान की संक्रमण से मौत हो गई है। कोरोना से संक्रमित होने के बाद चेतन चौहान को गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। मेदांता हॉस्पिटल में ही इलाज के दौरान किडनी फेल होने के चलते रविवार को उनका निधन हो गया। इससे पहले दो अगस्त को यूपी सरकार में मंत्री कमल रानी वरुण का भी कोरोना के चलते निधन हो गया था। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सहयोगी मंत्री के निधन पर दुख जताया है।

एक नजर.....

धोनी फिल्म की रिलीज के बाद सुशांत सिंह राजपूत ने अपनी चारों बहनों संग की थी मस्ती

14 अगस्त को दो महीने पूरे फिल्म इंडस्ट्री के बेहतरीन अभिनेताओं में एक सुशांत सिंह राजपूत की मौत की हो गए हैं। फिलहाल सुशांत के निधन की जांच अभी भी चल रही है। लेकिन इस मामले में सीबीआई जांच की मांग लगातार एक्टर के परिवार वालों के साथ फैंस भी कर रहे हैं। इसी बीच सुशांत का एक थ्रोबैक वीडियो वायरल हो रहा है। इसमें वह अपनी चारों बहनों के साथ मस्ती करते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को सुशांत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति ने सोशल मीडिया पर साझा किया है। वीडियो में देख सकते हैं कि अपनी बहनों के पास लेटे सुशांत दिखाई दे रहे हैं और खूब मस्ती-मजाक पांचों करते नजर आ रहे हैं। फिल्म एम एस धोनी द अनटाल्ड स्टोरी की सफलता के बाद सुशांत सिंह राजपूत अपनी चारों बहनों के साथ इस वीडियो में दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो में भाई-बहनों के बीच में साफप्यार दिखाई दे रहा है। वीडियो में सुशांत की सभी बहनें कहती दिख रही हैं कि हमें तुम पर गर्व है। श्वेता सिंह कीर्ति ने वीडियो के साथ कैप्शन में लिखा, हमारे पास खुशियां थीं, हम मजे में थे। रोशनी में हमारे पास सारे मौसम थे। लेकिन यह हंसी और ये गाना इस तरह चले गए, जैसे मौसम चले जाते हैं। मैं कैसे ये कामना करूं की हम सब दोबारा फिर से एक साथ हो जाएं। दर्शकों को यह वीडियो बहुत पसंद आ रहा है और इस पर कमेंट भी कर रहे हैं। पुलिस ने सुशांत सिंह राजपूत मामले में अबतक 40 से अधिक लोगों से पूछताछ की है। आपको याद दिला दें कि 14 जून को अपने घर में एक्टर सुशांत सिंह राजपूत मृत पाए गए थे। बॉलीवुड इंडस्ट्री को बल्कि फैंस को भी उनके निधन से काफी झटका लगा था। सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता सिंह कीर्ति सोशल मीडिया पर उनको लेकर पोस्ट डालती रहती हैं।

तुर्की के राष्ट्रपति की पत्नी एमीन एर्दोगान से मुलाकात पर ट्रोल हुए आमिर खान

पिछले दिनों आमिर खान अपनी अगली फिल्म की तुर्की में हो रही शूटिंग के लिए चर्चा में हैं। आमिर की आने वाली फिल्म लाल सिंह चड्ढा का फाइनल शूट तुर्की में होना है। आमिर खान जब तुर्की पहुंचे तो वहां उनके फैन्स ने उन्हें घेर लिया था। अब आमिर इस्तांबुल में तुर्की के राष्ट्रपति की पत्नी एमीन एर्दोगान से मुलाकात कर एक बार फिर चर्चा में आ गए हैं। दरअसल इस मुलाकात के बाद सोशल मीडिया पर एक बड़ा वर्ग आमिर खान की आलोचना कर रहा है। एमीन एर्दोगान ने अपने ऑफिशल ट्विटर हैंडल पर आमिर से हुई मुलाकात की कुछ तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, इस्तांबुल में दुनिया के मशहूर इंडियन ऐक्टर, फिल्ममेकर और डायरेक्टर आमिर खान से मुलाकात कर खुशी हुई। मुझे यह जानकर खुशी हुई कि आमिर अपनी अगली फिल्म लाल सिंह चड्ढा की फाइनल शूटिंग तुर्की के अलग-अलग हिस्सों में कर रहे हैं।हालांकि भारत और तुर्की के कुछ तनावपूर्ण मुद्दों को देखते हुए कुछ लोगों को आमिर की यह मुलाकात रास नहीं आई और उन्होंने सोशल मीडिया पर जमकर इसकी आलोचना की। गौरतलब है कि कश्मीर और आर्टिकल 370 के मुद्दे पर तुर्की ने भारत सरकार के फैसलों की आलोचना की थी। इसके अलावा तुर्की अलग-अलग मौकों और मंचों पर पाकिस्तान का सपोर्ट करता रहा है। इस पर कुछ लोगों ने आमिर की तीखी आलोचना की है। बता दें कि आमिर की फिल्म लाल सिंह चड्ढा ऑस्कर जीत चुकी मशहूर हॉलिवुड फिल्म फॉरेस्ट गम्पश् का ऑफिशल हिंदी रीमेक है। फिल्म की लगभग 40 दिनों की शूटिंग तुर्की में होनी है। इस फिल्म में आमिर के साथ करीना कपूर मुख्य भूमिका में होंगी। माना जा रहा है कि यह फिल्म अगले साल रिलीज की जाएगी।

ग्रामीण आर्थिक क्रांति पर बन रही फिल्म से जुड़े अली फजल, ऋचा

ऋचा चड्ढा और अली फजल एक शॉर्ट फिल्म श्ट्रांसफॉर्म इंडियाश् को अपना सहयोग प्रदान करेंगे जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों की आर्थिक क्रांति के बारे में दिखाई जाएगी। सामाजिक कार्यकर्ता मयंक गांधी की इस शॉर्ट फिल्म को इन दोनों ही कलाकारों का साथ मिलेगा। ऋचा कहती हैं, मैं इस ज्ञानवर्धक लघु वीडियो को पेश करने के चलते खुश हूं क्योंकि यह भरोसा जगाने वाला है। यह इस बारे में है कि किस तरह से एक अकेले शख्स ने यह साबित कर दिखाने का फैसला लिया कि सिर्फ खुद के बल पर भी बड़ा बदलाव लाया जा सकता है, पैसे कमाए जा सकते हैं और पर्यावरण को बचाया जा सकता है। यह एक बेहतर अर्थव्यवस्था और बेहतर पर्यावरण की दिशा में कारगर है। अली इस पर कहते हैं, इस क्रांति का उद्देश्य किसानों की कुछ प्रमुख समस्याओं जैसे आपदा, गरीबी, आत्महत्या और अभाव को संबोधित करना है। साल 2016 में महाराष्ट्र में मराठावाड़ा के सूखाग्रस्त और आत्महत्या की अधिकता वाले क्षेत्रों में शुरू किए गए इनके कार्य काफी प्रभावी रहे हैं। ऋचा और अली को इसमें शामिल करने की बात पर मयंक कहते हैं, हमने देखा है कि ऋचा और अली सामाजिक मुद्दों को लेकर काफी मुखर रहे हैं और उनके समाधान की भी बात करते हैं।

पर्यावरण, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और हमारे किसानों की समृद्धि के लिए वे दिल से सोचते हैं

लॉ स्टूडेंट के घुटने ऐक्सिडेंट में हुए चोटिल, रिश्तेदार मदद से कतराए तो सोनू सूद ने कराई सर्जरी

बॉलिवुड ऐक्टर सोनू सूद लंबे वक्त से गरीबों के मसीहा बने हुए हैं। उन्होंने अब तक तमाम प्रवासियों को लॉकडाउन के दौरान उनके घरों तक अलग-अलग साधनों से भिजवाया है। यही नहीं, ऐक्टर ने लोगों के खाने-पीने का भी इंतजाम किया और अब एक बार फिर उन्होंने उत्तर प्रदेश से ताल्लुक रखने वाली एक लड़की की मदद की है। दरअसल, करीब 6 महीने से प्रज्ञा (22) नाम की लड़की बेड पर है। उसका ऐक्सिडेंट होने के कारण उसके दोनों घुटने चोटिल हैं लेकिन बीता गुरुवार उसके लिए नया दिन था। सर्जरी के बाद इस दिन वह वॉकर की मदद से कुछ कदम चली। अब उसके परिवारवाले सोनू सूद को आशीर्वाद दे रहे हैं। लड़की के पिता विजय मिश्रा जो कि गोरखपुर में पुजारी हैं, ने कहा कि वह सिर्फ सोनू को आशीर्वाद दे सकते हैं जिन्होंने उनकी बेटी को नई जिंदगी दी है। उन्होंने बताया, प्रज्ञा को फरवरी में रोड ऐक्सिडेंट के दौरान गंभीर चोट लग गई थी और उसके दोनों घुटनों को नुकसान पहुंचा था। लोकल डॉक्टरों ने कहा कि सर्जरी ही विकल्प है और इसमें करीब 1.5 लाख रुपये का खर्च आएगा। हम इलाज का खर्च नहीं उठा सकते थे और ज्यादातर रिश्तेदार भी मदद करने से कतराने लगे। प्रज्ञा जो कि लॉ स्टूडेंट है, ने कुछ नेताओं से संपर्क करने की कोशिश की लेकिन उसका कोई परिणाम नहीं निकला। इसके बाद अगस्त के पहले हफ्ते में उसने सोनू सूद से ट्वीट कर मदद मांगी। इसके बाद सोनू ने सर्जन से बात की और प्रज्ञा को दिल्ली बुलाया। बीते बुधवार को गाजियाबाद में उसकी सफल सर्जरी हुई।प्रज्ञा के पिता ने कहा कि सर्जरी सफल रही और बेटी को दो से तीन दिनों में डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। उन्होंने बताया, ट्रेन टिकट जैसे तमाम इंतजाम सोनू सूद ने किए। जब हम दिल्ली पहुंचे तो ऐक्टर की टीम हमसे रेलवे स्टेशन पर मिली और वहां से सीधे हमें हॉस्पिटल ले गई।

प्रज्ञा के पिता विजय मिश्रा ने कहा, सोनू सूद हमारे लिए भगवान जैसे हैं। आज के दिनों में ऐसा फरिश्ता मिलना मुश्किल है। मैं उन्हें कुछ नहीं दे सकता लेकिन मैं उन्हें ढेर सारा आशीर्वाद और अच्छे भविष्य की शुभकामनाएं दे सकता हूं। वहीं, प्रज्ञा ने कहा, श्मेरे लिए सोनू सूद भगवान हैं। मैंने तय किया है कि जब मैं कमाने लगूंगी तो मैं उन बच्चों की मदद करूंगी जो शिक्षा से वंचित हैं।

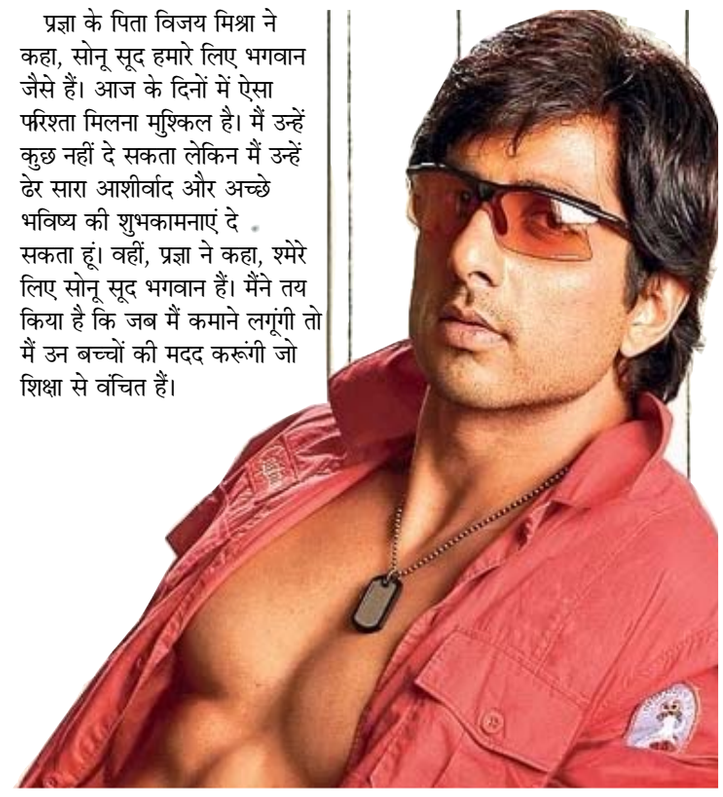

दो महीने बाद आलिया भट्ट ने खोला कॉमेंट सेक्शन, फैन्स बोले- लव यू

आलूबॉलीवुड एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद सोशल मीडिया पर कई सेलेब्स को काफी ट्रोल किया गया। इसमें आलिया भट्ट, सोनाक्षी सिन्हा, करण जौहर और सोनम कपूर का नाम शामिल रहा। नेगेटिव कॉमेंट्स मिलने के चलते इन सभी ने अपने इंस्टाग्राम पर कॉमेंट सेक्शन बंद कर दिया था। हाल ही में आलिया भट्ट ने फिल्ममेकर अयान मुखर्जी के साथ अपना एक वीडियो पोस्ट किया। दरअसल, अयान मुखर्जी के जन्मदिन पर आलिया ने यह वीडियो पोस्ट किया। यह स्लो मोशन वीडियो उनके और अयान के लास्ट हॉलीडे का है। आलिया इसे पोस्ट करते हुए लिखती हैं कि मजा, फ्री और हमेशा साथ। मैं तुमसे बहुत प्यार करती हूं मेरे जीनियस ब्वॉय, हैप्पी बर्थडे अयानू। इस वीडियो के साथ आलिया ने कॉमेंट सेक्शन ओपन किया। इसपर फैन्स ने कॉमेंट कर आलिया को लव यू आलू बोला। कई लोगों ने उन्हें ट्रोल भी किया। तो कुल मिलाकर काफी मिक्स्ड रिएक्शन कॉमेंट सेक्शन पर आया। काम की बात करें तो आलिया भट्ट जल्द ही रणवीर सिंह, करीना कपूर खान, अनिल कपूर, विक्की कौशल, जाह्नवी कपूर और भूमि पेडनेकर के साथ करण जौहर की अगली फिल्म में नजर आने वाली हैं। इसके अलावा वह संजय लीला भंसाली की फिल्म 'गंगूबाई काठियावाड़ी' में भी नजर आएंगी।

कसौटी जिंदगी के 2 में एरिका फर्नांडिस को रिप्लेस करेंगी दिव्यांका त्रिपाठी

सीरियल कसौटी जिंदगी के 2 के मेकर्स पर इन दिन खतरों के बादल मंडरा रहे हैं। बीते हफ्ते ही खबर आई थी कि पार्थ समथान ने अपने अपकमिंग प्रोजेक्ट की वजह से इस सीरियल को छोड़ने का फैसला ले लिया है। इसी के साथ ये भी अनुमान लगाया जा रहा था कि शो की लीड एक्ट्रेस एरिका फर्नांडिस भी इस सीरियल को छोड़ने का मन बनाने लगी है। कुछ घंटे पहले ही खबर आई थी कि एरिका फर्नांडिस ने अपने पिता की बिगड़ती तबियत के चलते ही कसौटी जिंदगी के 2 को अलविदा कहने का फैसला लिया है। इस बीच ऐसा भी सुनने में आ रहा था कि इस सीरियल में एरिका फर्नांडिस की जगह दिव्यांका त्रिपाठी ले सकती है। कुछ हफ्ते पहले ही ये है मोहब्बतें में दिव्यांका त्रिपाठी के को-स्टार रह चुके करण पटेल ने इस सीरियल में एंट्री मारी है। ऐसे में हर कोई उम्मीद लगा चुका है कि अब दिव्यांका त्रिपाठी भी इस सीरियल में नजर आएंगी। खैर, कुछ घंटे पहले ही खुद दिव्यांका त्रिपाठी ने खुद इस खबर को अफवाह करार दिया है। दिव्यांका त्रिपाठी ने इंस्टाग्राम पर इस खबर की पुष्टि करते हुए लिखा है कि, कसौटी जिंदगी के 2 में दिव्यांका त्रिपाठी प्रेरणा बासु के तौर पर? ये सिर्फ अफवाह है..जो लोग केयर करते हैं उनके लिए इस चीज को क्लियर कर रही हूं। पार्थ समथान और एरिका फर्नांडिस के साथ-साथ सीरियल कसौटी जिंदगी के 2 में अनुपम का किरदार अदा करने वाले साहिल आनंद ने भी फैसला लिया है कि वो भी जल्द ही इस सीरियल से किनारा कर लेंगे। ऐसे में इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता है कि आने वाले दिनों में कसौटी जिंदगी के 2 के मेकर्स की मुश्किलें वाकई में बढ़ने वाली हैं।

फिल्म दृश्यम के डायरेक्टर निशिकांत कामत के निधन की उड़ी अफवाह, रितेश देशमुख ने कहा- वह अभी जिंदा हैं

बॉलीवुड डायरेक्टर निशिकांत कामत के निधन की अफवाह आने के बाद रितेश देशमुख ने इसका खंडन करते हुए कहा कि वह अभी जिंदा हैं। रितेश ने ट्वीट किया, निशिकांत अभी भी जिंदा हैं। उनके लिए प्रार्थना करें। निशिकांत सिर्फ डायरेक्शन ही नहीं बल्कि एक्टिंग में भी अपने हुनर का जलवा दिखा चुके हैं। उन्होंने कई मराठी और बॉलीवुड फिल्मों में अभिनय किया है। निशिकांत ने बतौर निर्देशक अपनी शुरुआत मराठी फिल्मों से की। उनके निर्देशन की पहली फिल्म डोंबिवली फास्ट है। साल 2005 में रिलीज हुई यह फिल्म हिट थी। उन्होंने जॉन अब्राहम की फिल्म रॉकी हैंडसम में विलेन का किरदार निभाया था। इसमें उनके काम को बहुत पसंद किया गया था। इसके अलावा उन्होंने फिल्म भावेश जोशी में अनिल कपूर के बेटे हर्षवर्धन कपूर के साथ भी काम किया है। हाल ही में निशिकांत कामत की सबसे सफल फिल्मों में शुमार दृश्यम की रिलीज को पांच साल पूरे हुए। इस फिल्म में अजय देवगन, रजत कपूर, श्रेया सरन और तब्बू जैसे सितारे नजर आए थे। फिल्म को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिला था। जानकारी के अनुसार इन दिनों निशिकांत कामत अपनी नई फिल्म दरबदर के लिए काम कर रहे थे जो कि साल 2022 में रिलीज होगी।

ओझा का दावा- रिया चक्रवर्ती ने मुझसे करवाया था सुशांत सिंह राजपूत का इलाज

जोशी का कहना है कि वह अपने हाथों के जरिए एनर्जी ट्रांसफर करते हैं और उन्होंने 90 पर्सेंट तक सुशांत सिंह राजपूत का इलाज भी कर दिया था।

बॉलिवुड ऐक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के मामले में हर रोज कुछ न कुछ चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। रविवार शाम को एक ऐसा ही खुलासा हुआ है जिसमें पता चला है कि पिछले साल नवंबर में ठाणे के रहने वाले एक आध्यात्मिक गुरु सुशांत के डिप्रेशन का इलाज करने वाले थे। यह भी पता चला है कि इन आध्यात्मिक गुरु से रिया चक्रवर्ती ने संपर्क किया था। हमारे सहयोगी चौनल टाइम्स नाऊ की रिपोर्ट के मुताबिक, इन आध्यात्मिक गुरु का नाम मोहन सदाशिव जोशी है और उन्होंने दावा किया है कि वह 22-23 नवंबर 2019 को सुशांत सिंह राजपूत और रिया चक्रवर्ती से मिले थे। जोशी ने कहा कि उन्होंने 22 नवंबर को सुशांत का इलाज किया था जिसके बाद वह ठीक थे। उनका यह भी दावा है कि 23 नवंबर को उन्होंने सुशांत और रिया के साथ लंच भी किया था। जोशी ने कहा कि उनसे रिया ने संपर्क किया था और कहा था कि सुशांत डिप्रेशन में हैं।

70 साल के आध्यात्मिक गुरु जोशी का दावा है कि उन्होंने मशहूर बिजनसमैन धीरूभाई अंबानी और कर्नाटक के एक पूर्व मुख्यमंत्री का भी इलाज किया था। टाइम्स नाऊ के इंटरव्यू में जोशी से यह भी पूछा गया कि उनका यह इलाज काले जादू जैसा तो नहीं था तो उन्होंने कहा कि उनका इलाज काला नहीं बल्कि सफेद जादू जैसा कहा जा सकता है। जोशी ने कहा कि वह कभी अपना विज्ञापन नहीं करते हैं बल्कि लोग खुद ही अपने इलाज के लिए उन्हें ढूंढते हैं। उन्होंने कहा कि रिया ने खुद ही उन्हें ढूंढा था और सुशांत का इलाज करने के लिए कहा था। हालांकि जब उनसे पूछा गया कि क्या सुशांत वास्तव में डिप्रेशन में थे तो इसका जोशी ने कुछ जवाब नहीं दिया था।

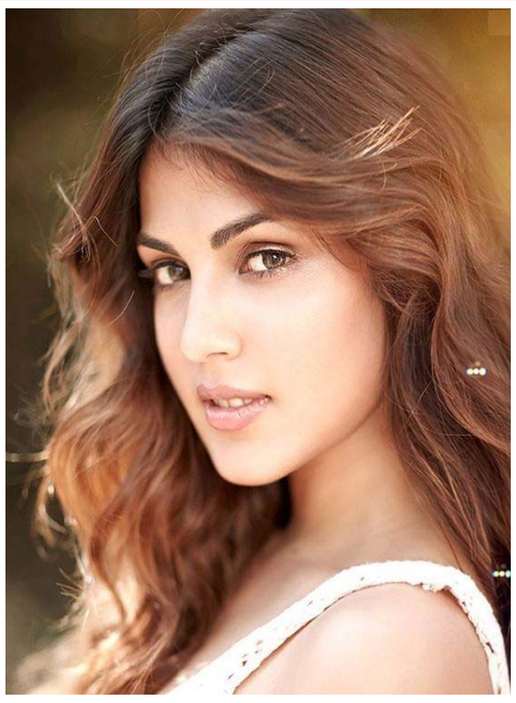

अंकिता लोखंडे ने बहनों के साथ सुशांत की मस्ती वाले वीडियो पर किया कॉमेंट, लोग करने लगे अगले जन्म साथ की बात

अंकिता लोखंडे ने सुशांत सिंह राजपूत की बहन श्वेता के लेटेस्ट वीडियो पर अपना रिऐक्शन दिया है। यह वीडियो श्वेता सिंह कीर्ति ने ही शेयर किया है, जिसमें अपनी चारों बहनों के साथ हंसते-खेलते दिख रहे हैं सुशांत। इसी वीडियो पर अंकिता ने प्यारा सा कॉमेंट भी किया है। अंकिता लोखंडे को सुशांत के परिवार वाले आज भी अपने घर का हिस्सा मानते हैं। अंकिता भी उन्हें अपनों की तरह ही चाहती हैं और यह बॉन्डिंग सुशांत के जाने के बाद सोशल मीडिया पर साफ नजर आने लगी है।

शिवांगी जोशी ने एक बार फिर से ये रिश्ता क्या कहलाता है के दर्शकों को दिया सरप्राइज

सड़क 2 का ट्रेलर दुनिया में तीसरा सबसे अधिक डिसलाइक किया जाने वाला वीडियो

फिल्म सड़क 2 का ट्रेलर दुनिया में तीसरा सबसे ज्यादा नापसंद किया जाने वाला वीडियो है और इसी के साथ यह भारत में यूट्यूब पर सबसे अधिक डिसलाइक किया जाने वाला वीडियो है। बिजनेसटुडे डॉट इन की रिपोर्ट में इंडिया टुडे डेटा इंटेलिजेंस यूनिट (डीआईयू) के हवाले से बताया गया कि करीब 90 लाख से अधिक डिसलाइक के साथ सड़क 2 तीसरे पायदान पर है, दूसरे नंबर पर 1.16 करोड़ डिसलाइक के साथ साल 2010 में आया पॉप स्टार जस्टिन बीबर का गाना बेबी शामिल है और पहले नंबर पर 1.82 करोड़ डिसलाइक के साथ स्वयं यूट्यूब द्वारा पोस्ट किया गया 2018 रीवाइंड वीडियो है। 12 अगस्त को जारी किए गए सड़क 2 के ट्रेलर को नेपोटिज्म को बढ़ावा दिए जाने के चलते सोशल मीडिया पर काफी ज्यादा ट्रोल किया गया। जून में बॉलीवुड अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद से यह मुद्दा चर्चा में है। महेश भट्ट की इस फिल्म में उनकी दोनों बेटियां आलिया भट्ट और पूजा भट्ट हैं और इनके साथ संजय दत्त और निर्माता सिद्धार्थ रॉय कपूर के छोटे भाई आदित्य रॉय कपूर भी हैं।जुलाई में सुशांत के परिवार द्वारा बनाई गई नेपोमीटर में सड़क 2 को 98 फीसदी नेपोइस्टिक बताया गया था।

कंचन उजाला
हिंदी दैनिक

स्वामी नमोकंचन कार्पोरेट सर्विसेस (एल.एल.पी) के लिए प्रकाशन, मुद्रक व संपादक कंचन सोलंकी द्वारा उमाकान्ती ऑफसेट प्रेस, ग्राम डेहवा पोस्ट मोहनलाल गंज लखनऊ से मुद्रित एवं 61/18 चुटकी भण्डार हुसैनगंज लखनऊ से प्रकाशित।

संपादक- कंचन सोलंकी

TITLE CODE- UPHIN48974

Mob: 8896925119, 9695670357
Email: kanchansolanki397@gmail.com

नोटः समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारो एवं लेखों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नही। समस्त विवादो का निस्तारण लखनऊ न्यायालय के अधीन होगा।